श्रावण शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 14 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 05-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बेदखल किए लोगों को आश्रय नहीं दिया जाना चाहिए : हिमंत

6 जलवायु परिवर्तन से जूझते भारत और अमेरिका

7 पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन रिश्ते में सच्चाई जरूरी : स्वरा भास्कर

## फर्स्ट टेक

### कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लगाई परिवहन संघों की हड़ताल पर अंतरिम रोक

**बेंगलूरु/भाषा।** कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य परिवहन संघों द्वारा मंगलवार को प्रस्तावित हड़ताल पर अंतरिम रोक लगा दी और उन्हें मामले की अगली सुनवाई यानी पांच अगस्त तक प्रदर्शन स्थगित करने का निर्देश दिया। अदालत ने उल्लेख किया कि परिवहन संघों के प्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बीच बातचीत चल रही है। अदालत ने कहा, यदि पूरा सार्वजनिक परिवहन ठप हो जाता है, तो आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, सरकार के साथ वार्ता के परिणाम की प्रतीक्षा में कल (पांच अगस्त) तक अंतरिम रोक लगाना उचित होगा। इसलिए प्रतिवादी संख्या सात को अगली सुनवाई की तारीख तक प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने का निर्देश दिया जाता है।

### ड्रोन उड़ाने पर पूरे अयोध्या जिले में प्रतिबंध

**अयोध्या/लखनऊ (उप्र)/भाषा।** ग्रेटर नोएडा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन देखे जाने से मची दहशत के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या जिले में भी ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि अयोध्या में यह प्रतिबंध पिछले कुछ वर्षों से लागू था, लेकिन अब यह प्रतिबंध पूरे जिले में लागू कर दिया गया है। अयोध्या के जिलाधिकारी (डीएम) निखिल टीकाराम फुंडे ने धारा 163 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए पूरे जिले में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

### न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में जिंदा मिली दो साल की बच्ची, महिला गिरफ्तार

**वेलिंगटन/एपी।** न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में दो साल की बच्ची के जिंदा मिलने के बाद एक महिला को बाल उपेक्षा के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस के चालक ने सामान रखने वाले स्थान में रखे एक सूटकेस में बच्ची को पाया था। 'डिटेक्टिव इंस्पेक्टर' साइमन हैरिसन ने एक बयान में कहा कि ऑकलैंड के उत्तर में काईवाका बस्ती में एक बस स्टॉप पर जब एक यात्री ने चालक से उसका सामान निकालने के लिए कहा तो उसने (चालक) बैग के अंदर हलचल देखी। हैरिसन ने बताया कि जब चालक ने सूटकेस खोला तो उसमें दो साल की बच्ची थी और उसका शरीर तप रहा था, हालांकि उसे कोई चोट नहीं पहुंची थी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि बच्ची कितनी देर से सूटकेस में बंद थी।

05-08-2025 सूर्यास्त 6:45 बजे | 06-08-2025 सूर्योदय 6:06 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 81,018.72 (+418.81) | 24,722.75 (+157.40) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 116,251 रु. प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### ज्वलंत प्रश्न

होते हैं डेमोक्रेसी में,
अधिकार सभी के ही समान।
ना जाति वर्ग से होता है,
नीचा-ऊंचा लघु या महान।
वोटों के लालच में फिर क्यों,
इंसानों को देते निशान।
है कौन दलित सचमुच में अब,
इस पर लाओ बिल या विधान।।

# राष्ट्रीय हितों की रक्षा और आर्थिक सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा भारत

**भारत ने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा उसे निशाना बनाए जाने को अनुचित और अविवेकपूर्ण कदम करार दिया**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **भारत की आलोचना करने वाले वही देश स्वयं रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं।**
- **भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी।**
- **उस समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता को मज़बूत करने के लिए भारत द्वारा ऐसे आयातों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।**

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत ने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा उसे निशाना बनाए जाने को अनुचित और अविवेकपूर्ण कदम करार देते हुए कहा है कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार देर रात एक वक्तव्य जारी कर कहा कि इस मामले में भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से रूस से तेल आयात करने के कारण भारत अमेरिका और यूरोपीय संघ के निशाने पर है।

दरअसल, भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता को मज़बूत करने के लिए भारत द्वारा ऐसे आयातों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।

प्रवक्ता ने कहा कि भारत के आयात का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करना है।

वैश्विक बाज़ार की स्थिति के कारण यह एक अनिवार्य है।

हालाँकि, यह भी एक तथ्य है कि भारत की आलोचना करने वाले वही देश स्वयं रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं।

हमारे मामले के विपरीत, ऐसा व्यापार कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बाध्यता भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में यूरोपीय संघ का रूस के साथ वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 67.5 अरब यूरो था। इसके अलावा, 2023 में सेवाओं का व्यापार 17.2 अरब यूरो के क़रीब था।

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा**

# रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगेगा ज्यादा शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं।

ट्रंप ने भारत पर भारी मात्रा में रूस से तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत रूस से भारी मात्रा में तेल सिर्फ खरीद ही नहीं रहा है, बल्कि उस तेल के बड़े हिस्से को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा भी कमा रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा, उसे (भारत को) इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं।

ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के साथ ही रूस से तेल एवं गैस खरीदने पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की थी।

## अमेरिका अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए 'नव-उपनिवेशवादी' नीति अपना रहा है : रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मास्को/भाषा।** रूस ने सोमवार को अमेरिकी प्रशासन पर वाशिंगटन के प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ देशों के खिलाफ नव-उपनिवेशवादी नीति अपनाने का आरोप लगाया, तथा वास्तविक बहुपक्षीय और समान विश्व व्यवस्था बनाने के लिए इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दर्जनों देशों पर नए शुल्क लगाने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आई है।

प्रतिबंधों को पूरे विश्व को प्रभावित करने वाली आज के ऐतिहासिक दौर की एक अफसोसजनक वास्तविकता बताते हुए जखारोवा ने कहा कि अमेरिका उभरती विश्व व्यवस्था में आधिपत्य की हानि को स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने वाशिंगटन पर आरोप लगाया कि वह अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए नव-उपनिवेशवादी नीति का अनुसरण कर रहा है, तथा अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उसका अनुसरण करने से इनकार करने वालों के विरुद्ध आर्थिक दबाव के राजनीतिक हथकंडे अपना रहा है।

ग्लोबल साउथ में रूस के साझेदारों के खिलाफ ट्रंप की शुल्क नीति पर टिप्पणी करते हुए, जखारोवा ने इसे राष्ट्रों की राष्ट्रीय संप्रभुता पर प्रत्यक्ष अतिक्रमण और उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास कहा। उन्होंने कहा कि रूस का मानना है कि शुल्क युद्ध और प्रतिबंध इतिहास के स्वाभाविक क्रम को प्रभावित नहीं कर सकते।

**मालेगांव विस्फोट मामले में**

# निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर कांग्रेस ने आतंकवादियों को बचाया: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मेरठ (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस ने मालेगांव विस्फोट मामले में निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर आतंकवादियों को बचाने का काम किया। योगी आदित्यनाथ ने यहां मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत 2,517 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीन 'इंटीग्रेटेड टाउनशिप' परियोजना के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस की राजनीति सिर्फ जातिवाद, दंगे और माफियाओं की चरणवंदना तक सीमित रही है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने मालेगांव की घटना में निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर राष्ट्रवादी नेतृत्व को बदनाम करने की कोशिश की थी।

योगी ने कहा कि आतंकवाद के प्रति उनकी नरम नीति और समाज को जाति-क्षेत्र के आधार पर बांटने की रणनीति देश के लिए हानिकारक रही है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से इस 'पाप' के लिए देश से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस अपने इस पाप के लिए देश से माफी मांगेगी?

योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार राष्ट्रवाद और विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जो बिना भेदभाव के सबके विकास को सुनिश्चित करती है।

मुख्यमंत्री ने मेरठ में शुरू की गई इस विशाल टाउनशिप परियोजना को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित करते हुए इसे 'अटल शताब्दी' नाम दिया। उनका कहना था कि यह परियोजना रैपिड रेल के निकट होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के नागरिकों के लिए सस्ते और टिकाऊ आवास उपलब्ध कराएगी।

**'दो मतदाता पहचान पत्रों' को लेकर**

## तेजस्वी यादव के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

**पटना/भाषा।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के पक्ष में ''दो मतदाता पहचान पत्र जारी करने'' की जांच की मांग करते हुए पटना के एक थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक दिन पहले ही निर्वाचन आयोग ने यादव से उस मतदाता पहचान पत्र को 'जांच के लिए सौंपने' के लिए कहा था जिसके बारे में उन्होंने (यादव ने) दावा किया था कि यह पहचान पत्र उनके पास है, जबकि इसे ''आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया था।' निर्वाचन आयोग ने कहा कि विपक्षी नेता का मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर नहीं बदला गया था, जैसा कि उन्होंने आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एक स्थानीय व्यक्ति ने इस संबंध में दीघा थाने में शिकायत दर्ज करायी है।

**अंतिम सोमवार**

श्रावण मास के चौथे और अंतिम सोमवार को लखनऊ, वाराणसी, संभल और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई और ''हर हर महादेव'', ''बम बम भोले'' के जयकारे गूंजते रहे। वाराणसी में, हजारों श्रद्धालु सुबह से ही श्री काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना के लिए कतारों में खड़े दिखे।

**ओडिशा-झारखंड सीमा पर**

## माओवादियों ने किए दो आईईडी विस्फोट, रेलवे पटरियां क्षतिग्रस्त

**भुवनेश्वर/भाषा।** संदिग्ध माओवादियों ने ओडिशा-झारखंड सीमा स्थित रेलवे पटरियों पर रविवार रात परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) से दो धमाके किए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। ये दोनों विस्फोट झारखंड सीमा के पास अलग-अलग स्थानों पर हुए, जिनसे पटरियों को नुकसान पहुंचा। यह घटना सुंदरगढ़ जिले में ओडिशा-झारखंड सीमा के पास रेलवे पटरियों पर हुए आईईडी विस्फोट में एक रेलवे कर्मचारी के मारे जाने के कुछ घंटे बाद हुई।

मृतक की पहचान एतावा ओराम (37) के रूप में हुई है, जबकि घायल बुधराम मुंडा को राउरकेला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों व्यक्ति घटनास्थल पर पटरियों के रखरखाव के लिए गए थे। यह विस्फोट बिमलागढ़ रेलखंड के अंतर्गत करमपदा और रेंजदा को जोड़ने वाली पटरियों पर हुआ।

# सिराज की जादुई गेंदबाजी से भारत ने इंग्लैंड को हराकर श्रृंखला बराबर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लंदन/भाषा।** मोहम्मद सिराज की करिश्माई गेंदबाजी की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को बेहद रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर श्रृंखला बराबर कर ली जिससे हाल के दिनों की सबसे कड़ी और नाटकीय श्रृंखला में से एक का शानदार अंत हुआ।

इंग्लैंड को आखिरी दिन सिर्फ 35 रन चाहिये थे और भारत को लेने थे चार विकेट । कइयों को भरोसा नहीं था कि भारतीय टीम इस मुकाम से मैच जीत लेगी लेकिन सिराज कुछ और सोचकर आये थे और उन्होंने वह कर दिखाया जो क्रिकेटप्रेमी बरसों तक याद रखेंगे ।

आखिरी दिन गिरे चार में से तीन विकेट चटकाकर सिराज ने मैच में 30 . 1 ओवर में 104 रन देकर पांच विकेट लिये ।

दूसरे छोर पर प्रसिद्ध कृष्णा (126 रन पर चार विकेट) ने भी उनका साथ बखूबी निभाया और अंतत: इंग्लैंड की टीम 374 रन के लक्ष्य से दूर रह गई और भारत ने पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी।

चौथे दिन थोड़ी देर की बारिश के बाद समय से पहले दिन का खेल खत्म करने के फैसले पर स्टुअर्ट ब्रॉड और माइकल वॉन जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाए थे लेकिन यह उचित ही लगा कि बेहद कड़ी श्रृंखला का निर्णायक मैच भी बाकी चार मुकाबलों की तरह आखिरी दिन तक चला।

**सेना के खिलाफ टिप्पणी पर न्यायालय ने**

# राहुल गांधी को फटकारा

**उच्चतम न्यायालय ने कार्यवाही पर रोक लगाई**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उनकी आलोचना करते हुए कहा, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।'' हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा, ''आप विपक्ष के नेता हैं। आप संसद में बातें क्यों नहीं कहते हैं, आप सोशल मीडिया पर क्यों कहते हैं?'' पीठ ने पूछा, ''आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?''

पीठ ने पूछा, ''बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।''

गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। उन्होंने दलील देते हुए कहा, ''अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते।''

पीठ की ''सच्चे भारतीय'' टिप्पणी पर सिंघवी ने कहा, ''यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।''

## स्वरूप चोपड़ा बने तेयुप हनुमंतनगर के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन अध्यक्ष कमलेश झाबक की अध्यक्षता में हुई। झाबक ने सभी का स्वागत किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन परामर्शक महावीर चावत ने किया। आय व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष धवल बोल्या ने दिया। वर्ष भर हुए कार्यो के लिए चयनीत कार्यकर्ताओं को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। चुनाव प्रणाली पूर्ण कर चुनाव अधिकारी हेमराज मांडोत व सह चुनाव अधिकारी राजेश मारू ने स्वरूप चोपड़ा को सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष घोषित किया। संचालन मंत्री संदीप चौधरी ने किया। सभा के अध्यक्ष गौतम दक और महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड़ व अभातेयुप से शाखा प्रभारी विनोद मुथा, अमित दक, रोहित कोठारी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ दी।

## मायुमं बेंगलूरु के पांच जरूरतमंद महिलाओं को भेंट की सिलाई मशीन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के मारवाड़ी युवा संघ के सदस्यों ने मुक्ता फाउंडेशन के सहयोग से बीटीएम लेआउट स्थित कार्यालय में पांच जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन वितरित की गई। प्रोजेक्ट के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक विनोद गर्ग, अशोक अग्रवाल ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, मायुमं मे अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल एवं गौरव शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सचिव सनी जैन ने धन्यवाद दिया।

## मायुमं सेंट्रल की कांवड़ यात्रा एवं रुद्राभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मारवाड़ी युवा मंच सेन्ट्रल के सदस्यों ने श्रावण मास के अवसर पर शनिवार को कांवड़ यात्रा एवं सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया जिसमें 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 90 से अधिक श्रद्धालुओं ने कांवड़ उठाई तो 44 लोगों ने रुद्राभिषेक किया। सेंट्रल के अध्यक्ष गौतम ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

## हरलूर में नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर का खाद मुहूर्त व भूमिपूजन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी के आशीर्वाद और गौतम लब्धि निधान जैन संघ, बेंगलूरु पूर्व के तत्वावधान में सरजापुर रोड के पास हरलूर में नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन नूतन जिनालय का खाद मुहूर्त और भूमिपूजन किया गया। विधिकारक विक्रम गुरु द्वारा विधि विधान करवाया। इस कार्यक्रम में बेलंदूर, ओआरआर, सरजापुर, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, व्हाइटफील्ड के विभिन्न जैन संस्थानों और ट्रस्टों के सदस्य व युवा उपस्थित थे। संघ के यतीन्द्र जैन ने बताया कि संघ द्वारा 14 अगस्त को शिलान्यास समारोह का आयोजन किया जाएगा।

## मंजूनाथनगर में एक्यूप्रेशर, सुजोक व वाइब्रेशन चिकित्सा शिविर सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मंजूनाथनगर क्षेत्र के सकल जैन संघ के तत्वावधान में छह दिवसीय एक्यूप्रेशर, सुजोक एवं वाइब्रेशन चिकित्सा शिविर जैन भवन में सम्पन्न हुआ। संघवी उत्तमचंद पुष्पादेवी आच्छा परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर के मुख्य थेरापिस्ट रूपाराम चौधरी, मनोहर सिंह एवं जितेन्द्र का सम्मान किया।

कार्यक्रम में संघ के उपाध्यक्ष विनोद कुमार मेड़तवाल, मंत्री राकेश दलाल, सहमंत्री सुरेश बाघमार, राजेश कोठारी, चेतन झारमुथा, रानित कोठारी, राजमल बोहरा, दिनेश छाजेड,अंकित आच्छा आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

### सहयोग

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के तत्वावधान में संचालित 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी वाहन में से एक वर्ष के लिए मोक्षवाहिनी वाहन के रखरखाव के लिए महेश हार्डवेयर के अशोककुमार महेन्द्रकुमार रांका परिवार ने लाभ लिया। संघ के अध्यक्ष अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, अनिल संकलेचा, जिनेश मेहता, भोपाल सोनवाड़िया ने रांका बंधुओं का सम्मान किया।

## कालेश्वरम परियोजना पर न्यायिक आयोग ने केसीआर को 'अनियमितताओं' के लिए जिम्मेदार पाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** कालेश्वरम परियोजना की जांच कर रहे न्यायिक आयोग ने पाया है कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के शासनकाल में निर्मित इस परियोजना में कथित अनियमितताओं के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जिम्मेदार हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

राज्य के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के सारांश पर एक 'पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन' दिया। उन्होंने बताया कि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राव परियोजना में इसकी योजना और निर्माण से लेकर परियोजना का हिस्सा रहे बैराजों के संचालन और रखरखाव तक अनियमितताओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थे। सूत्रों ने बताया कि आयोग ने केसीआर के भतीजे और पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव पर भी उंगली उठाई है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव लोगों के बीच केसीआर के नाम से लोकप्रिय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेषज्ञों की एक समिति ने कालेश्वरम परियोजना को आगे न बढ़ाने की सलाह दी थी, लेकिन बीआरएस सरकार ने जानबूझकर रिपोर्ट को दबा दिया। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने रिपोर्ट का 60 पृष्ठों का सारांश तैयार किया है। पूरी रिपोर्ट 665 पृष्ठों की है। सारांश में केसीआर का नाम 32 बार, हरीश राव का 19 बार और पूर्व मंत्री एटाला राजेंद्र का नाम पांच बार आया है। राजेंद्र अब भाजपा के लोकसभा सदस्य हैं। सूत्रों ने दावा किया कि रिपोर्ट में बीआरएस शासन के दौरान वित्त मंत्री रहे राजेंद्र का रवैया लापरवाही भरा पाया गया है।

# विपक्षी दल को भारत नहीं, पसंद हैं राष्ट्रविरोधी ताकतें : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और आरोप लगाया कि विपक्षी दल राष्ट्र विरोधी ताकतों से प्यार करते हैं लेकिन भारत से नहीं।

गुप्ता ने यह टिप्पणी दिल्ली विधानसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' पर बहस के दौरान की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को करारा जवाब था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ''हमारी बहनों'' की गरिमा की रक्षा करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''ये लोग (विपक्ष) भारत से प्यार नहीं करते, बल्कि वे राष्ट्र-विरोधी ताकतों से प्यार करते हैं क्योंकि वे उनमें अपना प्रतिबिंब देखते हैं।''

उन्होंने कहा, ''विपक्षी दल 'इंडि' गठबंधन बनाने के लिए एकजुट हुए। नाम तो 'इंडिया' है, लेकिन अगर आप उनकी बात सुनें तो ऐसा लगेगा कि वे पाकिस्तान के प्रवक्ता हैं...यहां तक कि लोकसभा में भी कई सांसदों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाए।

उन्हें अपनी सेना और अपने प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं है, बल्कि उन्हें दूसरे देशों पर भरोसा है।''

गुप्ता ने विभाजन के मुद्दे पर भी कांग्रेस पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा, ''1947 में आपकी पार्टी (कांग्रेस) सत्ता में थी। आपने भारत की आज़ादी का श्रेय तो लिया, लेकिन विभाजन का नहीं। आपने 1962 के भारत-चीन युद्ध की ज़िम्मेदारी क्यों नहीं ली?''

## मोहन यादव ने राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं पर 'प्रहार' करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भोपाल/भाषा।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं पर 'प्रहार' करने का आरोप लगाया और साथ ही उन्हें संविधान के दायरे में रहकर विपक्ष की भूमिका निभाने की नसीहत भी दी।

यादव ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से चर्चा में यह दावा भी किया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जब नेता प्रतिपक्ष थे तो उन्होंने इस पद की गरिमा को ऊंचा किया था, जबकि राहुल गांधी पद की गरिमा को घटा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी लोकतंत्र के सबसे मजबूत आधार स्तंभों- न्यायालय, निर्वाचन आयोग और सेना पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय से कई बार फटकार मिलने और माफी मांगने के बाद भी वह अदालतों पर भरोसा नहीं जताते।'' मुख्यमंत्री, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई आलोचना से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। अदालत ने राहुल गांधी से कहा, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।''

## प्रमुख चावल आयातक देश के प्रतिबंध हटाने से भारतीय निर्यात को मिलेगा बढ़ावा : आईआरईएफ

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय चावल निर्यातक महासंघ ने सोमवार को कहा कि एक प्रमुख चावल आयातक देश के प्रतिबंध हटाने से अनाज के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार ने चावल के आयात पर चार महीने से लगा प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। गर्ग ने कहा, ''यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बाजार भारतीय चावल का एक प्रमुख आयातक है, जिसका वार्षिक आयात 1,000,000 टन से अधिक है, और प्रतिबंध हटने से हमारे निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।''

## पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित किया जाए: पनुन कश्मीर

**जम्मू/भाषा।** विस्थापित कश्मीरी पंडितों के हितों की वकालत करने वाले संगठन पनुन कश्मीर ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आतंकवाद के नरसंहार करने के उद्देश्यों की पहचान और पाकिस्तान को आतंकवादी राज्य घोषित करने से बचने का आरोप लगाया। उसने कहा कि इससे निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर में भविष्य के सुरक्षा अभियान खतरे में पड़ जाएंगे।

संगठन ने भारत सरकार से अपील की कि वह इस बात को स्वीकार करे कि नरसंहार करने वाला युद्ध अब भी जारी है और शेष भारत में फैल रहा है। पनुन कश्मीर के अध्यक्ष डॉ. अजय चरुंगू ने यहां संवाददाताओं से कहा, भारत सरकार ने एक बार फिर जिहादी आतंकवाद के नरसंहार करने उद्देश्यों की पहचान और पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र के रूप में मान्यता देने से परहेज किया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और निश्चित रूप से भविष्य के सुरक्षा अभियानों को खतरे में डालेगा, यहां तक कि उन अभियानों पर भी जो भारत सरकार द्वारा घोषित 'न्यू नॉर्मल' पर आधारित हैं।

## महाराष्ट्र में मराठी बनाम गैर-मराठी तनाव नहीं: फडणवीस

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है तथा दोनों में किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है।

फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे को भाषा से जुड़े भावनात्मक मुद्दे में न पड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य में भाषा को लेकर विवाद राजनीतिक कारणों से पैदा किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में भाषा के मुद्दे पर दुबे की ओर से पिछले महीने की गई विवादास्पद टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने अपने पार्टी सहयोगी को सावधानी बरतने की सलाह दी। झारखंड से सांसद दुबे को 'मराठी बनाम गैर-मराठी' मुद्दे में नहीं पड़ना चाहिए, जिसे राजनीतिक कारणों से खड़ा किया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, हम इससे निपटने में सक्षम हैं। यहां मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है। दोनों में से किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी भाषी उन नेताओं को सबक सिखाएंगे, जो उन्हें बांटने की कोशिश कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा कि कम आय वर्ग की महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लाडकी बहीण योजना' के तहत धोखाधड़ी से लाभ लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

## वनतारा ने कोल्हापुर से जामनगर में हथिनी को स्थानांतरित करने की पहल नहीं की : एनजीओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वनतारा ने महादेवी नामक हथिनी को कोल्हापुर के मठ से जामनगर स्थित अपने केंद्र में स्थानांतरित करने की पहल या अनुरोध नहीं किया, बल्कि केवल अदालत द्वारा नियुक्त प्राप्तकर्ता केंद्र के रूप में कार्य किया। गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

तीन दशकों से महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के नंदनी में एक जैन मठ में रही महादेवी को इस सप्ताह की शुरुआत में एक अदालती फैसले के बाद गुजरात के जामनगर में वनतारा के वन्यजीव पुनर्वास केंद्र में राधे कृष्ण मंदिर हाथी कल्याण न्यास (आरकेटीईडब्ल्यूटी) में स्थानांतरित कर दिया गया।

बयान में कहा गया, वनतारा इस प्रक्रिया का प्रारंभिक पक्षकार नहीं था, और पूरी प्रक्रिया न्यायिक एवं वैधानिक निगरानी में, संबंधित प्राधिकरणों के समन्वय से की गई है। संगठन ने कोल्हापुर में महादेवी के गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व को स्वीकार किया, लेकिन उसने केवल न्यायालय द्वारा नियुक्त प्राप्तकर्ता संस्था के रूप में कार्य किया।

इसमें कहा गया, स्थानांतरण के कारणों का पूरा विवरण न्यायिक आदेशों में दर्ज है, जो स्वयं ही उसके पक्ष में बोलते हैं।

बंबई उच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को महादेवी को जामनगर में वनतारा के सुविधा केंद्र में पुनर्वासित करने का आदेश दिया था। यह आदेश एक गैर सरकारी संगठन द्वारा महाराष्ट्र वन विभाग और उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के समक्ष उसके बिगड़ते स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक पीड़ा पर चिंता जताए जाने के बाद दिया गया था।

बयान में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय ने 25 जुलाई को उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। यह मामला अब 11 अगस्त, 2025 को अनुपालन रिपोर्ट के लिए सूचीबद्ध है।

## नीति आयोग ने ईवी के लिए स्पष्ट लक्ष्य, समयसीमा केंद्रित नीति की सिफारिश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** नीति आयोग ने देश में इलेक्ट्रिक परिवहन को तेज रफ्तार देने के लिए सोमवार को स्पष्ट लक्ष्यों और समय-सीमाओं के साथ एक राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति बनाने की अनुशंसा की। नीति आयोग ने ईवी प्रोत्साहन पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट में इलेक्ट्रिक वाहन से संबंधित चरणबद्ध मानकों के साथ एक नियामकीय ढांचा खड़ा करने और शून्य-उत्सर्जन वाले वाहनों को अपनाने के लिए स्पष्ट नीतिगत दिशानिर्देशों की भी जरूरत पर बल दिया है। रिपोर्ट में सार्वजनिक बजट और बहुपक्षीय विकास बैंकों से मिलने वाले अंशदानों की मदद से एक संयुक्त कोष बनाने का सुझाव दिया गया है, जिससे ई-बसों और ई-ट्रकों की खरीद के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा सके। नीति आयोग ने परिसंपत्ति खरीद के बजाय सेवा-आधारित मॉडल को प्राथमिकता देने, शोध एवं विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के रणनीतिक विस्तार की भी जरूरत बताई है।

इसके अलावा ईवी में इस्तेमाल होने वाली बैटरी की लागत घटाने, ऊर्जा घनत्व बढ़ाने और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने पर भी जोर दिया गया है। नीति आयोग ने रिपोर्ट में कहा है, बैटरी चार्जिंग ढांचे के रणनीतिक प्रोत्साहन और सार्वजनिक जागरूकता एवं सूचना प्रणाली को बढ़ाने से ईवी को अपनाने में तेजी आएगी।

भारत ने वर्ष 2030 तक कुल वाहन बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30 प्रतिशत पर ले जाने का लक्ष्य रखा हुआ है। 2016 में देश में सिर्फ 50,000 ईवी की बिक्री हुई थी जो बढ़कर 2024 में 20.8 लाख तक पहुंच गई। हालांकि यह अभी भी वैश्विक रुझानों की तुलना में पीछे है।

## भारत बना दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार: आईएटीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार बनकर उभरा है। वहीं, मुंबई-दिल्ली मार्ग दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई मार्गों की सूची में सातवें स्थान पर रहा। विमानन कंपनियों के समूह आईएटीए ने एक रिपोर्ट में यह कहा।

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) ने सोमवार को वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट स्टैटिस्टिक्स (डब्ल्यूएटीए) 2024 का नवीनतम संस्करण जारी किया। आईएटीए लगभग 350 विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2023 की तुलना में 2024 में 11.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और कुल 21.1 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की। यह आंकड़ा जापान से अधिक है, जहां 2024 में 20.5 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की। हालांकि जापान में सालाना वृद्धि दर 18.6 प्रतिशत रही।

आईएटीए की रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिका दुनिया का सबसे

बड़ा विमानन बाजार बना हुआ है, जहां 87.6 करोड़ यात्रियों ने 2024 में हवाई यात्रा की। वहीं इस सूची में दूसरे स्थान पर चीन रहा जहां समान अवधि में 74.1 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की और 2023 की तुलना में 18.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आईएटीए द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत जहां पांचवें स्थान पर रहा, वहीं ब्रिटेन (26.1 करोड़ यात्री) तीसरे और स्पेन चौथे स्थान (24.1 करोड़ यात्री) पर रहा। आईएटीए के अनुसार शीर्ष 10 हवाई मार्गों में मुंबई-दिल्ली मार्ग वर्ष 2024 में सातवें स्थान पर रहा, जहां कुल 59 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की। आईएटीए के अनुसार, दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई मार्गों की सूची में एशिया-प्रशांत क्षेत्र का दबदबा रहा। वर्ष 2024 में दक्षिण कोरिया का जेजू-सियोल मार्ग दुनिया का सबसे लोकप्रिय हवाई मार्ग रहा, जहां 1.32 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की।

# कर्नाटक परिवहन कर्मचारी पांच से हड़ताल करेंगे

## मुख्यमंत्री ने प्रदर्शन वापस लेने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार के साथ सोमवार को वार्ता विफल होने के बाद राज्य सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों के कर्मचारी संघों ने पांच अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्मचारी संघों से अपना प्रदर्शन वापस लेने की अपील की है। कर्मचारी संघ इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें 38 महीने का बकाया भुगतान किया जाए और एक जनवरी, 2024 से वेतन वृद्धि लागू की जाए।

सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी और कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के बीच अंतिम दौर की बैठक हुई, लेकिन कोई निर्णायक नतीजा नहीं निकला। 'केएसआरटीसी स्टाफ एंड वर्कर्स फेडरेशन' के अध्यक्ष एच वी अनंत सुब्बाराव ने संवाददाताओं से कहा, हमारी चर्चा 38 महीने के वेतन के बकाया और एक जनवरी, 2024 से वेतन वृद्धि पर हुई। अंत में, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह दो साल का बकाया चुका देंगे और हमें शेष दो साल के बकाया पर दावा छोड़ने के लिए कहा। हम इसके लिए सहमत नहीं हुए।

हमें 38 महीने का बकाया चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्मचारी संघों से अपना प्रदर्शन वापस लेने की अपील की है। सिद्दरामय्या के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि विभिन्न परिवहन संघों के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आपसी बातचीत से मुद्दों का समाधान निकाला जा सकता है। इस बीच, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कर्मचारी संघों से कहा कि वे अपनी नियोजित हड़ताल एक दिन के लिए स्थगित कर दें, ताकि यूनियन प्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बीच बातचीत को पूरा होने का समय मिल सके। सुनवाई के दौरान, पीठ ने चालक और परिचालक के वेतन संशोधन में लंबे समय से हो रही देरी पर सरकार से सवाल किया तथा उनके हितों की उपेक्षा पर चिंता व्यक्त की। सरकारी वकील और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के प्रतिनिधियों ने अदालत को सूचित किया कि एक संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने हड़ताल की घोषणा की है, जबकि विवाद पर मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत सुलह की कोशिशें अब भी जारी हैं। जेएसी सभी चार राज्य-संचालित परिवहन निगमों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है।

# कर्नाटक उच्च न्यायालय ने धर्मस्थल मामले की मीडिया कवरेज पर रोक का आदेश रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु की एक दीवानी अदालत द्वारा जारी उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें यूट्यूब चैनलों सहित मीडिया मंचों को पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न और हत्या के पीड़ितों को सामूहिक रूप से दफनाने की रिपोर्टिंग करने से रोक दिया गया था। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत को मामले पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए यूट्यूब चैनल कुडला रैम्पेज' द्वारा दायर उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें आठ जुलाई को जारी एकपक्षीय अंतरिम निषेधाज्ञा को चुनौती दी गई थी। दीवानी अदालत के पहले के आदेश में धर्मस्थल मंजूनाथस्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले परिवार को लक्षित करने वाली किसी भी ''अपमानजनक सामग्री'' से प्रकाशन पर रोक लगा दी गयी थी। उच्च न्यायालय ने फैसला दिया, ''निचली अदालत द्वारा जारी एकपक्षीय निषेधाज्ञा निरस्त की जाती है। नए सिरे से सुनवाई के लिए मामले को सक्षम अदालत के पास भेजा जाता है। निचली अदालत इस आदेश में निहित निर्देशों और टिप्पणियों को ध्यान में रखे।'' न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय ने मामले के दीवानी या फौजदारी पहलुओं पर या पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों और प्रतिवादों पर कोई रुख नहीं अपनाया है। निचली अदालत से इस मामले पर बिना देरी किए हुए निर्णय देने को कहा गया है। धर्मस्थल धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े के भाई हर्षेंद्र कुमार डी ने निचली अदालत से यह आदेश प्राप्त किया था। कुमार ने समाचारों, सोशल मीडिया सामग्री और वीडियो वाले 8,000 से ज़्यादा डिजिटल लिंक हटाने का अनुरोध किया था और उन्होंने आरोप लगाया था कि यह उनके, उनके परिवार और मंदिर प्रशासन के लिए अपमानजनक हैं।

उच्च न्यायालय के निर्देश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुडला रैम्पेज के वकील ए. वेलन ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता के लिए मील का पत्थर बताया। वेलन ने एक बयान में कहा, ''कर्नाटक उच्च न्यायालय ने न केवल एक फैसला सुनाया है, बल्कि इसने हमारे लोकतंत्र की आधारशिला को फिर से स्थापित किया है।''

# राज्यपाल ने तिरुमला स्थित श्रीवारी मंदिर में दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने आंध्र प्रदेश में तिरुमला पहाड़ियों पर स्थित श्रीवारी मंदिर में सोमवार सुबह पूजा-अर्चना की। गहलोत रविवार रात बेंगलूरु से सड़क मार्ग के जरिए तिरुमला पर्वत पर पहुंचे।

उनके साथ उनका परिवार और अन्य अधिकारी भी मंदिर पहुंचे। राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, राज्यपाल ने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। दर्शन के बाद, उन्हें रंगनायकुला मंडपम में श्रीवारी तीर्थ प्रसादम, डायरी और कैलेंडर भेंट किया गया। उसके उपरांत गहलोतजी ने बेंगलूरु वापसी के दौरान तिरुपति में श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर तिरुचनूर, चित्तूर स्थित वरसिद्धि विनायक मंदिर और वेल्लर स्थित गोल्डन मंदिर नारायणपीठम के दर्शन किए।

# शिबू सोरेन के निधन के मद्देनजर 'वोट चोरी' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन 8 तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के मद्देनजर वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन 8 अगस्त तक स्थगित कर दिया गया है। प्रदर्शन स्थल फ्रीडम पार्क में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, शिबू सोरेन आदिवासी समुदाय के एक वरिष्ठ नेता और कांग्रेस पार्टी के गठबंधन सहयोगी हैं। उन्हें श्रद्धांजलि देना हमारा कर्तव्य है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे दिवंगत नेता को अंतिम श्रद्धांजलि देंगे। मंगलवार दोपहर 3 बजे होने वाले उनके अंतिम संस्कार को देखते हुए, हमने वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला किया है। यह निर्णय राष्ट्रीय नेताओं के परामर्श से लिया गया है।

उन्होंने बताया, प्रदर्शन का स्थान और समय वही रहेगा और यह 8 अगस्त को होगा। उन्होंने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, शिबू सोरेन मुश्किल समय में कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े रहे। वह कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के भी साथ रहे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

हालाँकि 8 अगस्त वरमहालक्ष्मी उत्सव है, फिर भी हमने पार्टी के काम को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जनता को त्योहार मनाने में कोई बाधा न आए। वरिष्ठ नेताओं ने हमें विधायक दल की बैठक दोबारा आयोजित करने का निर्देश दिया है, हम इस बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे।

भाजपा के विरोध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम लोकतंत्र में आलोचनाओं और विरोध का स्वागत करते हैं। वे चुनाव आयोग का समर्थन कर रहे हैं। आयोग को निष्पक्ष होना चाहिए। चुनाव के दौरान, महादेवपुरा से हमारे उम्मीदवार ने शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन चुनाव आयोग ने उस पर ध्यान नहीं दिया। आगे की जाँच में और भी बातें सामने आई हैं। हम चुप नहीं बैठ सकते क्योंकि यह देर से सामने आया है। हम अपनी रिपोर्ट जनता के सामने रखेंगे और वे तय करेंगे कि कौन सही है और कौन गलत।

# न्यायमूर्ति नागमोहन दास ने अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण पर रिपोर्ट सौंपी

बेंगलूरु। सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण पर गठित एक सदस्यीय आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एच. एन. नागमोहन दास ने सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि रिपोर्ट सात अगस्त को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में पेश की जाएगी।

उन्होंने कहा, ''रिपोर्ट सौंप दी गयी है। सात अगस्त को मंत्रिमंडल की बैठक है, जहां हम इसे पेश करेंगे और इस पर निर्णय लेंगे।'' न्यायमूर्ति दास ने कहा कि उन्होंने 1,766 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में राज्य के अनुसूचित जाति के 27,24,768 परिवारों और 1,07,01,982 व्यक्तियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा, इस समय यह राज्य सरकार की संपत्ति है। इस पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं है। इसकी विषय-वस्तु और इसे स्वीकार करने या अस्वीकार करने का निर्णय पूरी तरह से राज्य सरकार पर निर्भर करता है।'' उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने कहा कि राज्य सरकार ने एक जनवरी, 2025 को उनकी अध्यक्षता में आयोग का गठन किया था और 27 मार्च को उन्होंने एक अंतरिम रिपोर्ट पेश की थी जिसमें कहा गया था कि आंकड़ों में स्पष्टता का अभाव है और उन्होंने नए सिरे से सर्वेक्षण की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा, ''उसी दिन, राज्य मंत्रिमंडल ने भी नए सिरे से सर्वेक्षण का आदेश दिया।'' उन्होंने कहा कि पांच मई से छह जुलाई तक सर्वेक्षण हुआ। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, न्यायमूर्ति दास ने इस काम के लिए किसी भी प्रकार का पारिश्रमिक या मानदेय नहीं लिया।

# म्यूचुअल फंड के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 'निवेश बस यात्रा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक के साथ साझेदारी वाली म्यूचुअल फंड कंपनी केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट, निवेशकों को निवेश शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य के पांच शहरों में निवेश बस यात्रा का आयोजन करेगी। सोमवार को बेंगलूरु में बस यात्रा का शुभारंभ हुआ। यह बस यात्रा बेंगलूरु, मैसूरु, बेलगाम, मंगलूरु और हुब्बल्ली में 20 दिनों तक चलेगी। यह प्रत्येक शहर के महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा करेगी और स्थानीय लोगों से जुड़ेगी। इसे एक अत्याधुनिक मोबाइल डिजिटल अनुभवात्मक इकाई के रूप में डिज़ाइन किया गया है। शैक्षिक सामग्री को बातचीत के रूप में विकसित किया गया है। इसमें मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ, लाइव और आमने-सामने की बातचीत भी शामिल है।

केनरा रोबेको एएमसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रजनीश नरूला ने कहा, एक निवेश संस्थान होने के नाते, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने ग्राहकों को निवेश के लाभों के बारे में शिक्षित और जागरूक करें। इसी कड़ी में, हम कर्नाटक में निवेश यात्रा का आयोजन कर रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य ग्राहकों में वित्तीय जागरूकता पैदा करना और दीर्घकालिक निवेश की सोच विकसित करना है। केनरा रोबेको एएमसी के बिक्री एवं विपणन प्रमुख गौरव गोयल ने कहा, निवेश बस यात्रा एक जमीनी स्तर का अभियान है जो सीधे समुदायों और निवेशकों तक पहुँचेगा, जहाँ वे हैं। हमारा उद्देश्य म्यूचुअल फंड निवेश को सरल बनाना, व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना और इस निवेश के बारे में गलतफहमियों को दूर करना है।

# कांग्रेस पार्टी देश में भ्रम फैलाने पर तुली है, विजयेंद्र ने जताई आपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकती; भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आपत्ति जताई है कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी देश में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह तय है कि वहां एनडीए ही सत्ता में आएगा। उन्होंने मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में 'हर घर तिरंगा' अभियान के संबंध में एक राज्य स्तरीय प्रारंभिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने सिद्दरामय्या और डी.के. शिवकुमार की कर्नाटक में भी मतदान को अवैध बताने के लिए आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस यह आरोप लगा रही है कि भाजपा ने बेंगलूरु मध्य और ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया है वह यह झूठा प्रचार कर रही है। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस इसके ज़रिए देश में भ्रम फैलाने पर तुली है। कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र और अन्य विधानसभा चुनावों में हार गई थी। बाद में, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी किसी भी तरह केंद्र में सत्ता में आने के लिए बेताब थे। उन्होंने विश्लेषण किया कि वे इस मामले में सफल नहीं हो पाए।

उन्होंने इस बात की सराहना की कि नरेंद्र मोदी जी देश की जनता को 'मन की बात' के माध्यम से देश की घटनाओं, समसामयिक घटनाओं और उपलब्धियों की जानकारी सफलतापूर्वक प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले मन की बात कार्यक्रम को 33 हज़ार बूथों पर देखा गया और कर्नाटक भाजपा देश में चौथे स्थान पर पहुँच गई। उन्होंने इसके लिए कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

केरल भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और दक्षिण भारत में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रभारी के. सुरेंद्रन, जिन्होंने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए पाकिस्तानी आतंकवादियों को सबक सिखाया है। लेकिन राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के साथ खड़ी है। उन्होंने सोनिया-राहुल की कांग्रेस पार्टी की आलोचना की जो अब भारत विरोधी पार्टी की तरह व्यवहार कर रही है। राहुल गांधी शहरी नक्सलियों और टुकड़े-टुकड़े गिरोहों के नियंत्रण में हैं। जब वह विदेश जाते हैं, तो राहुल गांधी भारत के खिलाफ बोलते हैं। वह चुनाव आयोग के खिलाफ भी बोलते हैं।

# रिदम ऑफ़ बीएलआर : केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ने अपनी अनूठी ध्वनि पहचान का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेंगलूरु ने अपनी अनूठी ध्वनि पहचान, रिदम ऑफ़ बीएलआर का अनावरण किया है। ध्वनि ब्रांडिंग विशेषज्ञ ब्रांड म्यूज़िक के सहयोग से विकसित, यह अनूठी संगीतमय अभिव्यक्ति फील्स लाइक बीएलआर अभियान का केंद्रबिंदु है। इस अभियान का उद्देश्य हवाई अड्डे को केवल एक यात्रा केंद्र से एक ऐसे स्थान में बदलना है जहाँ यात्री उसकी धड़कनों को महसूस कर सकें। संगीत में हर व्यक्ति के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने की शक्ति होती है। रिदम ऑफ़ बीएलआर को बेंगलूरु की भावना को दर्शाते हुए, आत्मीयता, परिचय और भावनात्मक प्रतिध्वनि की भावना जगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ग्रैमीऍ पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित रिकी केज द्वारा रचित, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेंगलूरु के आधिकारिक गान की मधुर शैली में रचित, रिदम ऑफ़ बीएलआर परंपरा और वैश्विकता का एक अनूठा संगम है। कर्नाटक संगीत के मृदंगम और मैंडोलिन जैसे वाद्ययंत्रों, और ध्वनिक, इलेक्ट्रिक गिटार और पियानो जैसे पश्चिमी संगीत को समूह गायन के साथ मिश्रित किया गया है। इसके माध्यम से, रिदम ऑफ़ बीएलआर परंपरा और आधुनिकता की एक समृद्ध जुगलबंदी के रूप में उभरता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) के प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्रीहरि मरार ने कहा, हर यात्रा की शुरुआत और अंत भावनाओं के साथ होता है। बेंगलूरु हवाई अड्डे से होकर गुजरने वाली यात्रा एक ऐसा पुल है जो यात्रियों की भावनाओं और यादों को जोड़ता है। रिदम ऑफ़ बीएलआर इसी विश्वास का विस्तार है, जो यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत करता है। यह न केवल यात्रियों को एक अंतरंग अनुभव प्रदान करता है, बल्कि हवाई अड्डे से बाहर निकलने के बाद भी संगीत की ध्वनि आपके साथ रहती है, जो हमारी पहचान का हिस्सा है। इस अवसर पर बोलते हुए, ब्रांड म्यूज़िक के संस्थापक, राजीव राजा ने कहा, हवाई अड्डे के व्यक्तित्व का अध्ययन करने के बाद, एक विचारशील तीन-चरणीय रचनात्मक प्रक्रिया के माध्यम से ध्वनि पहचान विकसित की गई है। नवरस जैसे भारतीय तत्वों से मार्गदर्शन लेते हुए, हमने एक ऐसा साउंडट्रैक बनाने की कोशिश की है जो केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु के अनुभव के मूल में मौजूद लालित्य, वीरता और हास्य को व्यक्त करता है। इसका परिणाम 'मोगो' (म्यूज़िकल लोगो) है। बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की मुख्य विपणन अधिकारी, शालिनी राव ने कहा, हवाई अड्डे ऐसी जगहें हैं जो भावनाओं को अगले स्तर तक ले जाती हैं। प्रियजनों के पुनर्मिलन जैसी कई कहानियाँ, हवाई अड्डे से शुरू होती हैं। हम बीएलआर की लय के माध्यम से भावनाओं का एक धागा बुनना चाहते थे। यह केवल एक ध्वनि पहचान नहीं है, बल्कि हर यात्री को, चाहे वे कहीं भी जाएँ, बेंगलूरु से उनके जुड़ाव की याद दिलाएगी।

# चरित्र और अस्तित्व का संकट : जद (एस) का भविष्य क्या होगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजनीति में कभी शक्तिशाली क्षेत्रीय ताकत रही जनता दल (सेक्युलर) आज खुद को नैतिक, चुनावी और संगठनात्मक रूप से एक नाजुक मोड़ पर खड़ा पा रही है, क्योंकि पार्टी का प्रथम परिवार अब तक की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक से जूझ रहा है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के एक मामले में हाल में सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा ने न केवल इस राजनीतिक उत्तराधिकारी की छवि को कलंकित किया है, बल्कि पहले से ही पतन की ओर अग्रसर पार्टी के भविष्य को अंधकार में डाल दिया है। जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल को 2021 में परिवार के फार्महाउस और बेंगलूरु स्थित आवास पर 48 वर्षीय घरेलू सहायिका के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक विशेष अदालत ने दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने रेवन्ना को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की कई धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए कड़ी सजा सुनाई और 11.5 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया, जिसमें से 11.25 लाख रुपये पीड़िता को देने होंगे। अदालत के फैसले ने अपराध की गंभीरता और एक मौजूदा सांसद के रूप में दोषी द्वारा सत्ता के दुरुपयोग को रेखांकित किया।

जद (एस) एक ऐसी पार्टी है जिसने लंबे समय से खुद को क्षेत्रीय गौरव और किसान हितों के संरक्षक के रूप में पेश किया है। इस घटना के कारण पार्टी की छवि को हुआ यह नुकसान चुनावी आंकड़े या सार्वजनिक धारणा से कहीं अधिक गहरा है। यह कांड उस पार्टी की विश्वसनीयता पर प्रहार करता है, जिस पर दशकों से गौड़ा परिवार का मजबूत नियंत्रण रहा है। अब वह नियंत्रण जांच के दायरे में है। पार्टी के लिए इस झटके का समय इससे बुरा नहीं हो सकता था क्योंकि पार्टी 2023 के विधानसभा चुनाव में मिली हार से अभी उबर ही रही थी कि रेवन्ना के खिलाफ यह मामला सामने आ गया। जद (एस) के 2018 में 37 विधायक थे, जो 2023 के विधानसभा चुनाव में घटकर केवल 19 रह गए, जो उसकी विधायी संख्या का लगभग आधा है। इस करारी शिकस्त ने न केवल उसकी सौदेबाजी की ताकत को कम किया, बल्कि लंबे समय से 'धर्मनिरपेक्ष' होने का दावा करने वाली जद (एस) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ एक असहज गठबंधन करने के लिए मजबूर कर दिया, क्योंकि पार्टी वर्षों तक भाजपा को 'सांप्रदायिक' कहकर सार्वजनिक रूप से उसका कड़ा विरोध करती थी। इस वैचारिक समझौते ने उसके कई पारंपरिक मूल मतदाताओं का मोहभंग कर दिया, कुछ कांग्रेस की ओर चले गए और कुछ ने उससे नाता तोड़ लिया।

# तुमकुरु जिले में 20 मोर मृत पाए गए

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में सोमवार को 20 मोर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मृत पक्षियों में तीन नर और 17 मादा शामिल हैं। तुमकुरु जिले के मधुगिरि तालुक के हनुमंतपुरा गांव में स्थानीय किसानों ने इन मृत मोरों को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

इसके बाद पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोरों की मौत के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। वन विभाग ने नमूने एकत्र कर फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) को विश्लेषण के लिए भेज दिए हैं। वन विभाग ने इस संबंध में मामला भी दर्ज किया है। गौरतलब है कि इससे पहले 26 जून को चामराजनगर जिले के माले महादेश्वर हिल्स के हुग्यम रेंज में एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत मिले थे। इस मामले में अधिकारियों ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/133/2025
दिनांक: 29.07.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

| कार्य का नाम | अनुमानित लागत |
|---|---|
| ईपीसी मोड़ पर गदग - वाडी नई लईन परियोजना के तहत जुमलापुर (रहित) कि. 75400 और गुरगुंटा (सहित) कि. 134950 (59.55 किमी.) के बीच इलेक्ट्रिकल, सिग्नल और दूरसंचार कार्यों के साथ साथ नई ब्रॉड गेज लाईन का निर्माण के लिए प्रस्तावन का अनुरोध। (निविदा संदर्भ सं.: JUMLAPUR-GURGUNTA-EPC) | रु. 964,51,54,197 |

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
25.11.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/
बेंगलूरु छावनी
PUB/356/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

# पत्रकारिता, जनसंचार विश्वविद्यालय में छात्रावास सहित सभी सुविधाओं के लिए प्रयासरत : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उप-मुख्यमंत्री और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा है कि हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में छात्रावास सहित सभी सुविधायें मुहैया कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। बैरवा सोमवार को एचजेयू के दहमीकलां (बगरू) स्थित स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने के बाद पहली बार विश्वविद्यालय के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने एचजेयू के स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने पर खुशी जताते हुए कहा कि मीडिया के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए स्टूडियो, कम्प्यूटर लैब आदि की सुविधायें अब ज्यादा बेहतर तरीके से मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को यातायात की सुविधा मुहैया करवाने के प्रयास हो रहे हैं और जल्द ही विश्वविद्यालय को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ा जाएगा।

विश्वविद्यालय में छात्रावास निर्माण भी करवाया जाएगा, ताकि राज्य के दूसरे क्षेत्रों और अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को असुविधा न हो। बैरवा ने विश्विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के पूर्ण रूप से लागू होने और शिक्षकों की पदोन्नति का कार्य पूर्ण करने के लिए कुलगुरु प्रो. सुधि राजीव की प्रशंसा की। इससे पहले कुलगुरु प्रो. सुधि राजीव ने गत तीन वर्ष की विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका ने कहा कि देश को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने में मानव संसाधन की अहम भूमिका है, और विश्वविद्यालय युवाओं को इसके लिए तैयार करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी जोशी ने किया और कुल सचिव बी.एल. मेहरड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. सत्येंद्र बसवाल, अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत, पत्रकारिता संकाय के डीन डॉ. अनिल मिश्र, जनसंचार संकाय की डीन डॉ. ऋचा यादव, शोध केंद्र के प्रमुख डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रोक्टर गरिमा और विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी-अधिकारी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अतिवृष्टि और जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिलों में जलभराव व अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सवाई माधोपुर जिले के चकचैनपुरा, करौली जिले के मण्डरायल एवं धौलपुर जिले के बिश्नोदा में प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा संबंधित अधिकारियों को आपदा राहत कार्य मुस्तैदी से किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सवाई माधोपुर जिले के भारी बारिश से प्रभावित गांवों चकेरी, जडावता, अजनोटी, मेनपुरा, धनोली, सूरवाल एवं खण्डार की क्षतिग्रस्त बोदल पुलिया, करौली जिले के अतिवृष्टि प्रभावित गांवों कसेड़, केमकछ, टोड़ी, मल्हापुरां, रांचौली, रहुघाट, मण्डरायल और धौलपुर जिले के राजाखेड़ा उपखंड के अतिवृष्टि प्रभावित गांवों कठूमरा, महमदपुरा, बक्सपुरा, चीलपुरा, चाडियान का पुरा, गढ़ी जाफर, बसई घीयाराम, अंधियारी के साथ ही निभी का ताल व उर्मिला सागर बांध (बाड़ी) का हवाई सर्वेक्षण कर अतिवृष्टि से हुए जलभराव और नुकसान का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश एवं जलभराव से प्रभावित लोगों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष असामान्य और अत्यधिक वर्षा के कारण बने हालात पर राज्य सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। जिला कलेक्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से नियमित रूप से बैठक कर फीडबैक लिया जा रहा है।

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल और सड़कों की मरम्मत के कार्य प्राथमिकता से पूरे करवाए जाएं। फसल खराबे की भरपाई हेतु गिरदावरी की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तत्परता बरतते हुए बुनियादी सुविधाओं जैसे बिजली, सड़क एवं संचार व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बारिश और बाढ़ से हर साल होने वाली समस्याओं के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में भी कार्य कर रही है। जल निकासी, नालों की सफाई और बाढ़ रोकथाम हेतु बुनियादी ढांचा सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंबल नदी के किनारे बसे जिन गांवों में अतिवृष्टि होने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है, वहां स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के अतिवृष्टि एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में सिविल डिफेंस एवं आपदा राहत बलों की टीमें निरंतर कार्य कर रही हैं। धौलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एवं राहत बचाव कार्य हेतु एसडीआरएफ की 2 टीमें राजाखेडा एवं 1-1 टीम धौलपुर व सरमथुरा उपखण्ड क्षेत्रों में तैनात की गई हैं।

एनडीआरएफ की एक टीम धौलपुर मुख्यालय पर तैनात है। सेना का एक दल भी राहत और बचाव कार्यों के लिए धौलपुर बुलाया जा चुका है। इन क्षेत्रों के प्रभावित गांवों में से 2700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सवाई माधोपुर में भी बचाव दल द्वारा लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। सवाई माधोपुर के मानसरोवर बांध के डाउनस्ट्रीम में बनी बोदल पुलिया की मरम्मत का कार्य भी पूर्ण कर यातायात सुचारू कर दिया गया है। इस दौरान आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह गुर्जर, हंसराज मीणा, जसवंत सिंह गुर्जर मौजूद रहे।

# चित्तौड़गढ़ दुर्ग की तलहटी में अतिक्रमण की होगी जांचः शर्मा

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा है कि विश्व प्रसिद्ध चित्तौड़गढ़ दुर्ग की तलहटी में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण की जांच करवाकर कार्रवाई की जायेगी। शर्मा ने सोमवार को राजस्थान में चित्तौड़गढ़ में पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग की तलहटी में हो रहे अतिक्रमण की उन्हें जानकारी नहीं थी। अब जांच करवाकर उचित कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने मारवाड़ में विभिन्न सोलर कंपनियों द्वारा खेजड़ी और केर के वृक्ष काटे जाने पर कहा कि वह भूमि निजी खातेदारों की है और करार की शर्तों अनुसार ही काम चल रहा है। शर्मा ने कहा कि हाल ही राज्य में 10 करोड़ पौधों के लक्ष्य की तुलना में अब तक नौ करोड़ इक्यावन लाख पौधे लगाये गये हैं, जिनकी त्रि-स्तरीय निगरानी और जांच होगी। कितने पौधे जीवित हैं, इसकी रिपोर्ट इसकी मामले की निगरानी के लिये गठित समिति अगले वर्ष देगी।उन्होंने कहा कि इस समिति में जयपुर और भोपाल की सरकारी एजेंसियों के अलावा एक स्वतंत्र एजेंसी स्वयंसेवी संस्था होगी। उन्होंने वन क्षेत्र में अवैध खनन की बात को भी सिरे से खारिज कर दिया। इससे पहले शर्मा ने कलेक्ट्रेट में वन अधिकारियों एवं जिला कलेक्टर के साथ बैठक में विभागीय समीक्षा की। इस दौरान पूर्व मंत्री श्रीचंद्र कृपलानी के अलावा चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या एवं बेंगू विधायक सुरेश धाकड़ भी उपस्थित रहे।

## नागौर में पुलिस ने 2.16 करोड़ का डोडा पोस्त जब्तकर एक तस्कर को किया गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में नागौर जिले की पांचौड़ी पुलिस ने एक खेत में छापा मारकर 2.16 करोड़ रुपए मूल्य का अवैध डोडा पोस्त जब्तकर इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ एवं अपराध) दिनेश एम एन के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत इनामी अपराधियों, गैंगस्टर, संगठित गिरोहों आदि के बारे में आसूचना संकलन कर धरपकड़ के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया और इस दौरान सूचना मिली कि भेड़ गांव का श्रवणराम विश्नोई (40) अपने खेत में अवैध डोडा पोस्त छिपाए बैठा है।

इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी श्रवणराम के खेत पर छापा मारकर वहां से 50 कट्टों में भरा 1441 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया और मौके से ही आरोपी श्रवणराम को गिरफ्तार कर लिया। बरामद डोडा पोस्त की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2 करोड़ 16 लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में श्रवणराम ने बताया कि यह डोडा पोस्त उसे तीन दिन पहले जोधपुर जिले के थाना करवड़ के तहत भवाद निवासी दिनेश बिश्नोई ने पिकअप से सप्लाई किया था जिसे टांकला गांव के अखाराम जाट को देने वाला था। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े दिनेश और अखाराम सहित अन्य सभी लोगों की तलाश में जुट गई है।

# स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव ने किया जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने सोमवार को जयपुर नगर निगम हैरिटेज एवं ग्रेटर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नालों की सफाई, सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता की स्थिति तथा जर्जर भवनों की पहचान एवं चिह्नांकन कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जैन सचिवालय से प्रस्थान कर स्टेच्यू सर्किल, गवर्नमेंट हॉस्टल, एम.आई. रोड, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, हसनपुरा पुलिया, खातीपुरा, झोटवाड़ा रोड होते हुए ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र में ग्रेनेड मार्ग, वैशाली नगर स्कीम, गौतम मार्ग ,विजय द्वार और गांधी पथ वेस्ट तक पहुंचे। उन्होंने इन क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, नालों की स्थिति, सड़क किनारे कचरा निस्तारण, अतिक्रमण की स्थिति और सार्वजनिक उपयोग के स्थलों की सफाई व्यवस्था का गहन अवलोकन किया।

जैन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नालों की समुचित सफाई तत्काल सुनिश्चित की जाए ताकि जलभराव की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दुकान के सामने डस्टबिन रखना अनिवार्य किया जाए और इसका पालन न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर चिन्हित जर्जर भवनों को देखा गया, जिनके संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि इन भवनों का त्वरित अतिक्रमण हटाकर विधिसम्मत ढंग से ध्वस्तीकरण कराया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन दुकानों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा स्वच्छता नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध तत्काल चालान जारी किए जाएं।

इस निरीक्षण के दौरान सफाई में लापरवाही बरतने पर कुछ ढाबा संचालकों एवं दुकानदारों पर मौके पर ही जुर्माना भी लगाया गया। जैन ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्वच्छता के प्रति गंभीरता को समझते हुए ज़मीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही को बर्दाश्त न किया जाए। जैन ने आमजन से भी अपील की कि वे शहर की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाएं और एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक की भूमिका निभाएं। इस दौरान स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉ निधि पटेल, ग्रेटर आयुक्त डॉ.गौरव सैनी सहित संबंधित क्षेत्र के उपायुक्त व अभियंता उपस्थित रहे ।

# प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की सुविधा प्रारंभ करने के होंगे प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि राजस्थान अंगदान एवं प्रत्यारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू हो, ताकि इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों का जीवन बचाया जा सके। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों से आह्वान किया कि वे इस दिशा में सक्रियता से कार्य करें। राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव सोमवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज संभागार में अंगदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अंगदान जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर वर्ष करीब 10 हजार मौतें सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। इनमें से 10 प्रतिशत ब्रेन डेड व्यक्तियों का अंगदान भी संभव हो सके तो अंगों की प्रतीक्षा कर रहे अनेक रोगियों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अंगदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जिससे व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रहता है और यह पुण्यकर्म उसे पूरी सृष्टि से जोड़ देता है। अम्बरीष कुमार ने कहा कि दुर्घटना, असंतुलित जीवन शैली और जेनेटिक कारणों से अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता बढ़ रही है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं। हमारा खानपान संतुलित हो और योग आदि से अपने शरीर को स्वस्थ रखें। इससे हम न केवल निरोग रहेंगे, बल्कि अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता भी कम से कम होगी। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों में योग क्लासेज प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए। अम्बरीष कुमार ने कहा कि अंगदान एवं प्रत्यारोपण आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की पराकाष्ठा है, जिसने मौत से संघर्ष कर रहे व्यक्तियों के जीवन में रोशनी पैदा की है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की बदौलत हमारी औसत आयु बढ़कर 75 वर्ष तक पहुंच गई है, जो आजादी के समय 26 से 30 वर्ष हुआ करती थी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि राज्य सरकार अंगदान एवं प्रत्यारोपण की सुविधाओं में निरंतर विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है।

# ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना से लगभग 6.27 लाख लोगों को उपलब्ध हो सकेगा स्वच्छ पेयजल : शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर गांव, हर ढाणी और हर व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाकर लोगों का जीवन बेहतर बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को सशक्त एवं समृद्ध बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। शर्मा सोमवार को दौसा जिले के लालसोट विधानसभा क्षेत्र स्थित डूंगरपुर गांव में आयोजित समारोह में रिमोट का बटन दबाकर ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना का शिलान्यास किया।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि महादेव की कृपा से प्रदेश में भरपूर बारिश से जलाशय लबालब हो गए हैं और ईरसदा बांध में भी खूब पानी आया है। उन्होंने कहा कि ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना के तहत लालसोट में लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से 8 स्वच्छ जलाशयों, 5 पंपहाउस, 47 उच्च जलाशयों का निर्माण किया जाएगा। इसमें 280 किलोमीटर राइजिंग मुख्य पाइपलाइन, 200 किलोमीटर से अधिक मुख्य पाइपलाइन एवं 1360 किलोमीटर वीडीएस पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक पूर्ण किए जाने वाले इन कार्यों से 302 गांवों की लगभग 5 लाख 58 हजार आबादी और लालसोट की करीब 69 हजार आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। शर्मा ने कहा कि लालसोट विधानसभा में 120 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य विकास कार्यों की भी स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 8 हजार 496 करोड़ रुपये खर्च कर 82 हजार 964 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई है।

# निबंधक ने किया राज किसान गिरदावरी एप का लाइव परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में चलाये जा रहे ऑनलाइन गिरदावरी अभियान का लाइव परीक्षण सोमवार को राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने किया। अजमेर तहसील के गगवाना एवं मोहामी में स्वयं कृषक के हाथों उन्हीं के मोबाइल पर राज किसान गिरदावरी एप के जरिए सफल गिरदावरी दर्ज कराई गई।

गगवाना के किसान पूनम चंद के खेत पर खसरा क्रमांक 1562 व खसरा क्रमांक 1563 पर अलग-अलग कृषि उपज की ऑनलाइन गिरदावरी की गई। इसी प्रकार मोहामी ग्राम के कृषक सीताराम के खेत पर खसरा नंबर 91 व खसरा नंबर 100 के कृषि उपज का ऑनलाइन गिरदावरी का सफल परीक्षण किया गया। इस दौरान कृषकों के मोबाइल पर राज किसान गिरदावरी एप के माध्यम से सूचनाएं दर्ज करने संबंधी तकनीकी व व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हुए गिरदावरी दर्ज कराई तो वे इस सुविधा से बहुत प्रसन्न हुए। निबंधक महावीर प्रसाद ने ऐप परीक्षण के दौरान किसान गिरदावरी ऐप का और सरलीकरण करने के लिये तकनीकी नॉडल अधिकारी (डिजिटल क्रॉप सर्वे) एवं संयुक्त निदेशक (सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग) को प्रदान किये ताकि अधिकाधिक कृषक बिना किसी अड़चन के गिरदावरी प्रक्रिया को स्वयं के स्तर से ही पूरा कर सकें।

निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान मंडल के अतिरिक्त निबंधक हेमंत स्वरूप माथुर, संयुक्त निदेशक (आइटी) सौरभ बामनिया, सहायक निदेशक पवन शर्मा, आइएलआर सुनील शर्मा एवं पटवारी दीपक चौधरी ने भी ऑनलाइन गिरदावरी लाइव परीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान किया । राज किसान माबाइल एप पर चंद मिनटों में ही खुद के हाथों गिरदावरी दर्ज करना बहुत शानदार व अनूठा अनुभव है। यह बहुत अच्छी व किसानों के हित वाली सुविधा है।

## चौकी-नाकों के निरीक्षण व जर्जर भवनों के स्थान पर नवीन भवनों के प्रस्ताव भेजने के निर्देश

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में वन एवं पर्यावरण विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं, योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। वन मंत्री शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेशभर में हो रहे पौधारोपण को प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सशक्त पहल बताया और कहा कि समन्वित प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण संभव है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव है।

शर्मा ने निर्देश दिए कि जिले में वन कर्मियों की चौकियों व नाकों का तत्काल निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी जर्जर भवन में चौकी या नाका संचालित नहीं होना चाहिए। जहां भी आवश्यकता हो, वहां नवीन भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव सरकार को भेजे जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि वे भविष्य में औचक निरीक्षण कर सकते हैं, अतः अधिकारी सजग व तत्पर रहें।

# झामुमो संस्थापक शिबू सोरेन का निधन

## राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रांची/नई दिल्ली/भाषा।** झारखंड के गठन में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन ने सोमवार को अंतिम सांस ली। वह 81 वर्ष के थे। उनके बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निधन की जानकारी दी।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन गुर्दे संबंधी समस्याओं के कारण एक महीने से ज्यादा समय से दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे।

हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, ''आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सबको छोड़कर चले गए... मैं आज 'शून्य' हो गया हूं।'' झारखंड विधानसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया, जबकि राज्य सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री के निधन के बाद तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया।

देशभर से विभिन्न नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया है। झामुमो ने बताया कि शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर शाम साढ़े पांच बजे दिल्ली से रांची लाया जाएगा।

पार्टी ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर मंगलवार को रामगढ़ जिले में उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा और वहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में झारखंड विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा, ''दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज स्वर्ग सिधार गए... उनका निधन न केवल झारखंड के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है... वह गरीबों के लिए अपनी लड़ाई के लिए जाने जाते थे...।'' झारखंड विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र एक अगस्त से शुरू हुआ था।

झारखंड सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के सम्मान में तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सरकार ने इस अवधि के दौरान अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम भी रद्द कर दिए हैं। राज्य सरकार के सभी कार्यालय चार और पांच अगस्त को बंद रहेंगे।

शिबू सोरेन का सर गंगा राम अस्पताल के 'नेफ्रोलॉजी' विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए. के. भल्ला की निगरानी में 19 जून से उपचार किया जा रहा था। डॉ. भल्ला ने बताया कि शिबू सोरेन को सुबह आठ बजकर 56 मिनट पर मृत घोषित कर दिया गया।

डॉक्टर ने कहा, ''वह गुर्दे की बीमारियों से पीड़ित थे और उन्हें डेढ़ महीने पहले दौरा भी पड़ा था। वह पिछले एक महीने से जीवन रक्षक प्रणाली पर थे।'' अस्पताल ने एक बयान में कहा, ''हमारी बहु-विषयक चिकित्सा टीम के अथक प्रयासों के बावजूद, शिबू सोरेन का चार अगस्त, 2025 को निधन हो गया। उनके अंतिम सांस लेने के दौरान उनका परिवार उनके पास मौजूद था।'' शिबू सोरेन पिछले 38 वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता थे और पार्टी के संस्थापक संरक्षक भी थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री शिबू सोरेन जी का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। उन्होंने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि शिबू सोरेन जनजातीय समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने को लेकर प्रतिबद्ध थे। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे जो लोगों के प्रति अटूट समर्पण के कारण जननेता बने। वे जनजातीय समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे।'' मोदी ने कहा, ''उनके निधन से बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।'' प्रधानमंत्री मोदी, शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए अस्पताल भी गए। मोदी ने शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया। उनके परिवार से भी मुलाकात की। हेमंत जी, कल्पना जी और श्री शिबू सोरेन जी के प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।'' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''श्री शिबू सोरेन जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। वह भारतीय राजनीति के एक प्रमुख चेहरे थे, जिन्होंने जीवन हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान और झारखंड की पहचान बनाने के लिए समर्पित कर दिया। उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। ओम शांति।''

# सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सहारनपुर (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान हैं।

वह यहां 381 करोड़ रुपए की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी ने मालेगांव विस्फोट मामले में हिंदू नेताओं को फंसाने और रामसेतु को तोड़ने की कोशिश का जिक्र करते हुए कहा, पहले सरकारें आतंकियों को संरक्षण देती थीं और सनातन धर्म के गौरव को कम करने

की कोशिश करती थीं। उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी विरासत का सम्मान करते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी दलों को भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व नहीं है। पूर्ववर्ती सरकारों पर गरीबों के हित में कोई काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए योगी ने कहा, डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र की उपेक्षा को समाप्त कर विकास और विरासत के संरक्षण का एक नया अध्याय शुरू किया है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में विकास, विरासत और स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार भैंसा गाड़ी नहीं, बल्कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रही है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार विकास और विरासत के संरक्षण में संतुलन बनाए हुए है। उन्होंने पिछली सरकारों पर जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले की सरकारें जाति के नाम पर समाज को बांटती थीं और योजनाओं का लाभ केवल एक परिवार तक सीमित रहता था। उन्होंने सपा मुखिया पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में एक परिवार अराजकता करता था और बदनाम पूरी जाति होती थी। योगी ने कहा कि आज भाजपा सरकार ने सहारनपुर को उसकी पहचान और गौरव से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन के अवसर पर आठ, नौ और 10 अगस्त को महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की। उन्होंने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा ,'' त्योहारों के इस मौसम में स्वच्छता हमारा दायित्व है।'' उन्होंने 15 अगस्त को तिरंगा यात्रा और राष्ट्रगान के आयोजन की अपील भी की।

# नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षकों की भर्ती के लिए 'डोमिसाइल' नीति की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी शिक्षकों की भर्ती में 'डोमिसाइल' नीति की सोमवार को घोषणा की। हालांकि, मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि राज्य में जन्मे और पले-बढ़े लोगों के लिए कितने प्रतिशत भर्तियां आरक्षित होंगी। यह घोषणा राज्य में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले की गई है।

कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (डोमिसाइल) को प्राथमिकता देने के लिए शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हम लोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था के

सुदृढ़ीकरण के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 से ही लागू की जाएगी जो इस साल होगी। वहीं वर्ष 2026 में टीआरई-5 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीआरई-5 के आयोजन से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) का आयोजन करने का भी निर्देश दिया गया है। हाल में, बिहार में 'डोमिसाइल नीति' को लेकर बढ़ते घमासान के बीच, बिहार मंत्रिमंडल ने आदेश दिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत का कोटा केवल राज्य की 'स्थायी निवासियों' तक ही सीमित रहेगा। वर्ष 2016 में, बिहार सरकार ने राज्य में सभी स्तरों पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 'डोमिसाइल' के मुद्दे पर राजनीतिक दलों द्वारा जनता को अपने-अपने पाले में करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सत्ता में आने पर '100 प्रतिशत डोमिसाइल' का वादा किया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी कुछ दिन पहले 'डोमिसाइल' की मांग के समर्थन में सामने आए थे, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर राजद की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया था। सरकारी नौकरियों में 'डोमिसाइल' नीति लागू करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में नौकरी के आकांक्षी उम्मीदवारों ने एक अगस्त को पटना में विरोध प्रदर्शन किया और यातायात को अवरुद्ध कर दिया।

## राहुल की टिप्पणी नुकसानदेह, न्यायालय की फटकार के बाद उन्हें तौर-तरीके सुधारने चाहिए : किरेन रीजीजू

**नई दिल्ली/भाषा।** चीन पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कांग्रेस नेता निराधार दावे करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद अपने तौर-तरीके सुधारेंगे। रीजीजू की यह टिप्पणी उस समय आई, जब उच्चतम न्यायालय ने चीन द्वारा 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जे के राहुल गांधी के दावे पर मौखिक रूप से कड़ी आपत्ति जताई। मंत्री ने कहा, विपक्ष के नेता के इस प्रकार के बयान राष्ट्र के लिए अत्यंत हानिकारक हैं तथा इनसे हमारी सेनाओं का मनोबल गिरता है। उन्होंने कहा कि कई नेताओं ने गांधी से निराधार बयान नहीं देने की अपील की थी, लेकिन वह कोई सलाह लेने को तैयार नहीं थे।

### भाजपा ने राहुल को 'चीनी गुरु' बताया

## कांग्रेस बोली: हर देशभक्त चीन पर जवाब मांग रहा है

**नई दिल्ली/भाषा।** भाजपा ने सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा राहुल से नाखुशी जताए जाने के बाद सोमवार को आरोप लगाया कि कि कांग्रेस नेता ने भारत को कमजोर करने और चीन को मजबूत करने की कसम खा रखी है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपने नेता का बचाव करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के पक्ष में राय बनाई, लेकिन सत्तापक्ष न्यायालय की मौखिक टिप्पणियों को लेकर लोगों को भ्रमित करना चाहता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गलवान की 2020 की घटना के बाद से हर देशभक्त भारतीय चीन मामले पर जवाब मांग रहा है लेकिन मोदी सरकार ने ''डीडीएलजे'' वाली अपनी नीति से सच्चाई को छिपाने की कोशिश की है। रमेश ने कहा कि सरकार की 'डीडीएलजे' वाली नीति का मतलब 'डिनायल (इनकार करना), डिस्ट्रैक्ट (ध्यान भटकाना), लाई (झूठ बोलना) और जस्टीफाई (सही ठहराना)' है।

## अलीगढ़ में प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या, आरोपी पत्नी गिरफ्तार

**अलीगढ़ (उप्र)/भाषा।** अलीगढ़ जिले में पुलिस ने एक युवती को अपने पति की हत्या करने और फिर अपने प्रेमी की मदद से पड़ोसी जिले कासगंज में एक ईंट भट्ठी के पास उसके जले हुए शव को फेंकने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दनसारी के निवासी यूसुफ (29) के रूप में की गयी है जिसके परिवार ने दो अगस्त को छर्रा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि यूसुफ शनिवार सुबह से लापता है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। रविवार देर रात उसे सूचना मिली कि पड़ोसी कासगंज जिले के गांव में एक ईंट भट्ठे के पास एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ शव मिला है। लापता व्यक्ति के परिवार ने शव की पहचान यूसुफ के रूप में की।

# बेदखल किए लोगों को आश्रय नहीं दिया जाना चाहिए: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि किसी भी व्यक्ति को बेदखल किए गए लोगों को आश्रय नहीं देना चाहिए अन्यथा ''हमारे लोगों कि स्थिति'', जो बेदखली और अन्य उपायों के कारण सुधरी है वो फिर से ''खराब हो जाएगी''। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर लोग सहयोग करते रहेंगे तो सरकार 'जाति (समुदाय)' की रक्षा के लिए अपने अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रखेगी।

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में आयोजित कार्यक्रमों से इतर संवाददाताओं से बातचीत में शर्मा ने कहा, ''हमारे लोग अब सचेत हैं। मुझे नहीं लगता वे ज्यादा सहयोग करेंगे।'' उनसे पूछा गया था कि क्या बेदखल किए गए लोग राज्य के अन्य हिस्सों में बस जाएंगे? उन्होंने कहा कि अतिक्रमणकारियों को वहीं लौट जाना चाहिए जहां से वे आए थे और सरकार को इस बात से कोई आपत्ति नहीं है।

जनता से बेदखल किए गए लोगों की सहायता नहीं करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे किसी भी व्यक्ति को उन्हें शरण नहीं देनी चाहिए अन्यथा हमारी स्थिति जो बेदखली और अन्य उपायों के कारण थोड़ी बेहतर हुई है, वो फिर से खराब हो जाएगी।''मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 29 लाख बीघा (9.5 लाख एकड़ से अधिक) भूमि अब भी अतिक्रमण के अधीन है। उन्होंने कहा, ''अभी बहुत काम किया जाना बाकी है यदि लोग हमारा सहयोग करें तो हम इसे कर पाएंगे और अपनी 'जाति' (समुदाय) की रक्षा कर पाएंगे।''

# अगर पुरी की पीड़िता लड़की वापस आ सके तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं : प्रवती परिदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने सोमवार को कहा कि अगर उनके इस्तीफा देने से पुरी की पीड़िता को वापस लाया जा सके तो वह अपने पद से 100 बार इस्तीफा देने को तैयार हैं। परिदा ने यह टिप्पणी विपक्षी दलों द्वारा लड़की की मौत पर उनके इस्तीफे की मांग पर की। लड़की परिदा के निमापारा विधानसभा क्षेत्र की रहने वाली थी।

ओडिशा के पुरी जिले में आग में झुलस कर जान गंवाने वाली 15 वर्षीय लड़की का उसके पैतृक गांव में सोमवार को भारी सुरक्षा इंतजाम के बीच अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद लड़की को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया

था, जहां शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। लड़की 70 प्रतिशत से अधिक झुलस गई थी। पुरी जिले के बलंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बयाबार गांव में नाबालिग के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री ने लड़की की मौत पर हो रही राजनीति की भी निंदा की। परिदा ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं 100 बार इस्तीफा देने को तैयार हूं अगर इससे लड़की वापस आ सके, लेकिन मैं कभी भी किसी को उसकी मौत पर राजनीति करते हुए बर्दाश्त नहीं करूंगी। ''

## तृणमूल कांग्रेस ने अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में अपना नेता नामित किया

**कोलकाता/भाषा।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को सोमवार को लोकसभा में अपना नेता नामित किया। यह जानकारी पार्टी सूत्रों ने दी।

सूत्रों ने बताया कि डायमंड हार्बर से तीन बार के सांसद बनर्जी वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय का स्थान लेंगे जो कोलकाता उत्तर से सांसद हैं। उन्होंने बताया कि बंदोपाध्याय को उनके खराब स्वास्थ्य के कारण इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह फैसला तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की अध्यक्षता में पार्टी सांसदों की डिजिटल तरीके से आयोजित एक बैठक में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में लोकसभा और राज्यसभा, दोनों के पार्टी सदस्य मौजूद थे। अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

तृणमूल कांग्रेस के पास लोकसभा में 29 सीट हैं और यह विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का एक प्रमुख घटक दल है।

### 'अवैध धर्म परिवर्तन गिरोह'

## अदालत ने छांगुर बाबा के सहयोगी को ईडी की हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** लखनऊ की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने छांगुर बाबा के कथित सहयोगी नवीन रोहरा को सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

अदालत ने उत्तर प्रदेश में कथित अवैध धर्मांतरण गिरोह से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत उसकी हिरासत केंद्रीय एजेंसी को दी है। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से रोहरा जेल में बंद है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पूछताछ के लिए उसकी (रोहरा की) हिरासत का अनुरोध करते हुए स्थानीय अदालत का दरवाजा खटखटाया था और एजेंसी को उसकी हिरासत मिल गई। एजेंसी ने पहले दावा किया था कि छांगुर बाबा द्वारा अर्जित सभी अचल संपत्तियां नवीन रोहरा और उसकी पत्नी नीतू रोहरा के नाम पर हैं, ताकि धनशोधन में उसकी वास्तविक संलिप्तता को छुपाया जा सके। इसने पिछले महीने छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन उर्फ करीमुल्ला शाह को भी इसी तरह हिरासत में लिया था।

पिछले महीने, संघीय एजेंसी ने बलरामपुर जिले में छांगुर बाबा के पैतृक स्थान और मुंबई में दो स्थानों पर तलाशी ली थी।

बाद में ईडी ने एक बयान में दावा किया कि आरोपी (छांगुर बाबा) को 22 बैंक खातों में 60 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई थी, जिसमें विदेश से प्राप्त बड़ी रकम भी शामिल थी।

# मैं इस जीत को अपने करियर के शीर्ष पर रखूंगा: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लंदन/भाषा।** सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने सोमवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से टेस्ट शृंखला ड्रॉ कराना 'भारतीय क्रिकेट के सबसे यादगार पलों में से एक होगा' क्योंकि यह एक ऐसी टीम द्वारा हासिल किया गया था जिसे विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति में 'दावेदार नहीं माना गया था'।

मोहम्मद सिराज ने थकान को धत्ता बताते हुए मैच के पांचवें दिन कमाल की गेंदबाजी करते हुए पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी में पांच विकेट झटक कर भारत को छह रन से यादगार जीत दिलाई। इस शृंखला में कई बार बेहतर स्थिति से होने के बावजूद मैच से नियंत्रण गंवाने वाली भारतीय टीम ने आखिरी एक घंटे में शानदार गेंदबाजी से मैच का पासा पलट दिया।

राहुल ने मैच के प्रसारकों से कहा, '' हमने भारत को विश्व कप उठाते हुए देखा है, मेरा मतलब है कि विश्व कप जीतने की बराबरी कोई नहीं कर सकता। लेकिन हर किसी के मन में इतने संदेह, इतने सवाल थे कि क्या टेस्ट क्रिकेट रहेगा या नहीं। मुझे लगता है कि दोनों टीमों ने जिस तरह से इस शृंखला में खेला है, मुझे लगता है कि हमने उस सवाल का जवाब दे दिया है।'' उन्होंने कहा, '' शृंखला से पहले किसी को उम्मीद नहीं थी कि हमारी टीम इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दे पायेगी। हमारे लिए हर मैच में संघर्ष कर वापसी करना और शृंखला को 2-2 से बराबर करना शानदार है। मुझे लगता है कि यह जीत हमारे लिए और भविष्य में भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए सबसे ऊपर रहेगी।'' राहुल इस टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक है। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 532 रन बनाये। वह कप्तान शुभमन गिल के बाद इस शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने युवा यशस्वी जायसवाल के कई बार टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। राहुल ने कहा, '' मुझे लगता है कि जब मैं टीम में शामिल हुआ तो मुझे यह महसूस हुआ (कि मैं सीनियर खिलाड़ियों में से एक हूं)। मैं लगभग दो हफ्ते पहले भारत ए के लिए खेलने आया था और तब मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ था। लेकिन जब मैं इस टीम में शामिल हुआ और मैंने चारों ओर देखा और मेरे पास रोहित, विराट और अश्विन नहीं थे, जिनके साथ मैंने अपना सारा क्रिकेट खेला है।''

## हर कप्तान का सपना है सिराज जैसा गेंदबाज : गिल

**लंदन/भाषा।** भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि मोहम्मद सिराज जैसी क्षमता और कौशल वाला गेंदबाज हर कप्तान का सपना होता है। गिल ने साथ ही 2-2 की बराबरी को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की शृंखला में दिखाए गए क्रिकेट के स्तर का 'उचित प्रतिबिंब' करार दिया। शृंखला में 754 रन और चार शतक

के साथ भारत के शृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे गिल ने सिराज की जमकर तारीफ की जिनके द ओवल में मैच में नौ विकेट की बदौलत भारत ने जीत दर्ज की और शृंखला बराबर की।

गिल ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान माइकल आथर्टन से कहा, ''सिराज किसी भी कप्तान का सपना है। उन्होंने हर गेंद और हर स्पैल में अपना सब कुछ झोंक दिया। 2-2 की बराबरी एक उचित प्रतिबिंब है। यह दर्शाता है कि दोनों टीम कितने जोश से भरी थीं और उन्होंने कितना अच्छा खेला।'' कप्तान ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भी तारीफ की जिन्होंने मैच में आठ विकेट लिए। वह हालांकि थोड़े महंगे साबित हुए। गिल ने कहा, ''जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान लगती है। मुझे लगता है कि आज हमने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी वह शानदार थी। हमें पूरा विश्वास था, कल भी, हमें पता था कि वे दबाव में हैं।''

## सुविचार

**जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# अय्यर ने फिर संभाल लिया 'मोर्चा'?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में जो बयान दिया है, उससे बिल्कुल भी हैरान होने की जरूरत नहीं है। हैरानी तो इस बात को लेकर है कि अय्यर अब तक खामोश रहे! विवादास्पद बयानों से अपनी ही पार्टी को कई बार नुकसान पहुंचा चुके अय्यर ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले 'मोर्चा' संभाल ही लिया। अपनी ताजा बयानबाजी के बाद वे पाकिस्तानी मीडिया में छा गए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा पीटे गए इस पड़ोसी देश के लिए अय्यर के बयान एक मलहम की तरह हैं। वे यह कहकर भारत के कूटनीतिक प्रयासों पर सवालिया निशान लगा सकते हैं कि 'जिन 33 देशों में हम गए, उनमें से किसी ने भी पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले के लिए दोषी नहीं ठहराया ... न संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है और न ही अमेरिका ने ... सिर्फ हम ही कह रहे हैं कि पाकिस्तान इसके पीछे है, लेकिन कोई हमें गंभीरता से नहीं ले रहा', लेकिन 6 मई से लेकर एक पखवाड़े तक पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की मुखमुद्राएं देख लें। पहले तो मुनीर एक तरह से गायब ही हो गए थे। बाद में जब सामने आए तो चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं। शहबाज शरीफ खुद बुरी तरह घबराए हुए थे। उन्होंने उस समय जो बयान दिए, उससे उनकी ही पोल खुल गई थी। भारत ने जिन देशों में अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे थे, उनसे इस बात की उम्मीद नहीं की गई थी कि वे पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाएं और हमसे हमदर्दी जताएं। उनके पाकिस्तान के साथ अपने संबंध हैं। वे हमारे लिए ऐसा क्यों करेंगे? प्रतिनिधिमंडल भेजने का सबसे बड़ा मकसद था- उन देशों को पाकिस्तान की आतंकी हरकतों और उनसे जुड़े खतरों से अवगत कराना। इसमें भारत कामयाब हुआ है।

उन देशों को भी पता चल गया है कि आतंकवाद की अंतरराष्ट्रीय राजधानी कहां है! कितने देशों ने हमारी सैन्य कार्रवाई का विरोध किया? यह इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि भारतीय प्रतिनिधिमंडलों ने अपना काम बहुत अच्छी तरह से किया था। जब प्रतिनिधिमंडल गए थे तो उन्होंने वहां स्थानीय नेताओं, अधिकारियों से मुलाकातें की थीं। मीडिया को संबोधित किया था। इससे उन देशों से पाकिस्तान में होने वाले निवेश पर असर पड़ेगा, लोग पर्यटन से दूरी बनाएंगे, पाकिस्तानियों के लिए अवसरों में कमी आएगी। इन सबका असर इस्लामाबाद के खजाने पर पड़ेगा। हमें पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी मुहिम लगातार चलानी चाहिए। वहां आतंकवाद, ईशनिंदा कानून का दुरुपयोग, अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न, राजनीतिक अस्थिरता आदि का विवरण देकर सभी देशों की महत्त्वपूर्ण भाषाओं में सामग्री का निर्माण किया जाए और उसे नियमित रूप से दूतावासों को भेजा जाए। खासकर यूरोपीय देशों को इस मामले में सावधान किया जाए कि आपके यहां जिस तरह पाकिस्तानियों के झुंड के झुंड आ रहे हैं, वे भविष्य में गंभीर समस्या पैदा करेंगे। उन्हें इस खतरे से आगाह किया जाए। उन देशों में इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है। उन्हें विश्वसनीय सामग्री की जरूरत है। यूरोपीय देशों की सरकारें पाकिस्तान को समय-समय पर आर्थिक सहायता देती रहती हैं। उनके नागरिकों को बताना होगा कि आपके यहां से जो पैसा पाकिस्तान जाएगा, वह एक दिन बम बनकर लौटेगा। पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक सहायता तुरंत बंद होनी चाहिए। अगर यूरोप में ऐसा माहौल बन जाता है तो पाकिस्तान के आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जहां तक किसी देश की सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर बयान देने या न देने का सवाल है तो हमें इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। हमें अपनी शक्ति, संकल्प, संसाधनों और एकता पर भरोसा होना चाहिए। हम अपने दम पर आतंकवादियों का खात्मा करेंगे।

## ट्वीटर टॉक

आज नई दिल्ली में आयोजित अमर उजाला माय ज्योतिष महाकुंभ 2025 में सम्मिलित हुआ। यह भारत के मौलिक ज्ञान से विज्ञान की संबद्धता को रेखांकित करता आयोजन है जिसमें देश के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य भागीदारी कर रहे हैं।

**-गजेन्द्र सिंह शेखावत**

भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए अंतिम और रोमांचक टेस्ट मैच में शानदार जीत दर्ज करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। पांच मैचों की यह टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई, जिसमें हमारे खिलाड़ियों ने शानदार किया।

**-वासुदेव देवनानी**

जन-जन की श्रद्धा, आस्था और भक्ति का पवित्र केंद्र श्री सालासर बालाजी धाम के 271वें स्थापना दिवस की समस्त भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलमय बधाइयाँ। यह दिव्य धाम केवल हमारी आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्किमनोकामनाओं की पूर्ति का परम केंद्र है।

**-वसुंधरा राजे**

## प्रेरक प्रसंग

# भक्ति की शक्ति

संत तुकाराम प्रभु भजन और कीर्तन में इतने लीन रहा करते थे कि कभी कभी खेतों पर मज़दूरी करने जाना भी भूल जाते थे। उनकी पत्नी जिजाई उन्हें अपने दो बच्चों का वास्ता देकर उन्हें काम पर जाने के लिए जोर डालती थी ताकि परिवार का भरण पोषण हो सके। पत्नी की बात मानकर अगले दिन तुकाराम दो रोटी साथ मे बांधकर प्रभु स्मरण करते हुए खेतों की ओर निकल गए। गांव के पंडे ने, जो कि तुकाराम से ईर्ष्या रखता था, वहां आकर कुछ सांड खेतों में छोड़ दिए ताकि तुकाराम का मालिक उन पर खेतों की रक्षा न कर पाने का आरोप लगा सके और उन्हें काम से निकाल दे। सांडों ने खड़ी फसल व मुंडेर तहस-नहस कर दी। तुकाराम बिना घबराए एक जगह खड़े हो गए और अपने इष्ट को याद करते हुए भजन गाने में तल्लीन हो गए। देखते ही देखते सब यथावत हो गया। नष्ट फसल फिर से खड़ी हो गई और मुंडेर पूर्ववत बन गई। अब उस खेत में इतना अन्न उग आया था कि वह पूरे गांव के लिए पर्याप्त था। पंडे ने जब यह लीला देखी तो लज्जित होकर तुकाराम के चरणों में गिर पड़े।

## सामयिक

# टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

**अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तै किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी।हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है।यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी।इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम , अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सोफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सोफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो।**

**अशोक मधुप**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है। साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था।वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रम्प ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था।इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को 'बुरा बिजनेस फैसला' बताया।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी , महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है। अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा।

एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है।

अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं।

अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम है।मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.27 हो गई । अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, 'अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।'अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है।

ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।

भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है।

भारत के 11 से 13 मई 1998 में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया । इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। उस समय विशेषज्ञों की ऐसी राय थी कि भारत अलग-थलग पड़ जाएगा और इसकी अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी। इन प्रतिबंध का भारत सफलतापूर्वक सामना कर अपने को अडिग साबित करने में कामयाब रहा। सात साल बाद अमेरिका ने इसे एक असाधारण मामले के रूप में मानते हुए, भारत को मुख्य धारा में लाने के लिए पहला कदम उठाया, जिसकी परिणति 2005 में भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के रूप में हुई।

भारत परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों में नही झुका तो अब तो उसकी हालत बहुत मजबूत है।एक कुशल नेतृत्व उसके पास है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल न ले।भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने हितों से कोई समझौता नही करेगा। भारत रूस से पहले की तरह तेल लेता रहेगा। इतना ही नही भारत ने अमेरिका की आंख की किरकिरी ईरान से भी तेल खरीदने की घोषणा कर दी है। उधर अमेरिका को इस घटनाक्रम के बाद साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ35 लड़ाकू विमान नहीं ख़रीदेगा।

अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तै किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी।हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है।यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी।इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम , अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सोफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सोफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो। भारत और टैरिफ वार के शिकार देशों को डालर में खरीद फरोख्त बंद करनी पर होगी। भारत ने रूस और कुछ अन्य देशों के साथ अपनी मुद्रा में खरीदारी शुरू कर दी है। यदि सभी देशों द्वारा डालर का विकल्प खोजकर व्यापार शुरू किया जाता है तो अमेरिका के लिए ये बड़ा झटका होगा।

## नजरिया

# जलवायु परिवर्तन से जूझते भारत और अमेरिका

**डॉ. नीलू तिवारी**

**मोबाइल: 94139 07005**

हाल ही में एक बार फिर दुनिया भर में आई भूस्खलन और बाढ़ की लगातार घटनाओं ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। असल में अब जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन गया है, जिसके प्रभाव हर देश में अलग-अलग रूप में सामने आते हैं। अगर भारत और अमेरिका जैसी शक्तियों की बात की जाए, तो दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन इनके भौगोलिक, पर्यावरणीय और विकासात्मक अंतर के कारण इन प्रभावों की प्रकृति भिन्न है।

भारत में मानसूनी जलवायु के कारण वर्षा एक सीमित अवधि में अधिक मात्रा में होती है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। हिमालय घाटी, उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में अत्यधिक वर्षा, हिमनदों के पिघलने और वनों की कटाई जैसे कारण भूस्खलन के पीछे प्रमुख हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में विशेष रूप से कैलिफोर्निया और वाशिंगटन जैसे राज्यों में जंगलों की आग, अचानक भारी वर्षा और पर्वतीय ढलानों पर बसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियां भूस्खलन को जन्म देती हैं।

भारत में भूस्खलन के खतरे को भांपने और चेतावनी देने की प्रणाली सीमित है, जबकि अमेरिका में अत्याधुनिक सैटेलाइट और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली के माध्यम से अधिक प्रभावशाली पूर्व चेतावनी दी जाती है। भूस्खलन के कारण न केवल सड़कों, पुलों और भवनों को क्षति पहुंच रही है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का जीवन भी असुरक्षित हो गया है। 2023 में हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लैंडस्लाइड और बाढ़ के चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए और पर्यटकों की आवाजाही ठप पड़ी, जिससे इन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ा।

हमें इस तथ्य की ओर देखना होगा कि यदि हमने जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं लिया, तो भारत में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता आने वाले वर्षों में और बढ़ेगी। नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को मिलकर इस दिशा में सतर्कता और जागरुकता से काम करने की आवश्यकता है। समय की यह जरूरत न केवल शिक्षा और मीडिया के लिए उपयोगी है, बल्कि आपदा प्रबंधन, पर्यावरण नीति निर्माण और सतत विकास से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे सभी लोगों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करता है। जलवायु परिवर्तन जैसे सामयिक मुद्दे की प्रासंगिकता इसलिए और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह केवल समस्या को नहीं दर्शाता बल्कि समाधान की दिशा में सोचने के लिए भी प्रेरित करता है।

पहले जहां भूस्खलन केवल भारी वर्षा या भूकंप के बाद होता था, अब यह बिना किसी पूर्व सूचना के भी घटित हो सकता है। इसका मुख्य कारण है जलवायु में आए तेज बदलाव जैसे कि असामान्य और अत्यधिक वर्षा, बर्फबारी का असंतुलन और वनों की अंधाधुंध कटाई। जलवायु परिवर्तन ने न केवल वर्षा के स्वरूप को बदल दिया है, बल्कि यह भी देखा गया है कि अब वर्षा कम समय में अधिक मात्रा में होती है, जिससे मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है और ढलानों से मलबा फिसलने लगता है। हिमालयी राज्यों जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

साल 2023 में हिमाचल प्रदेश में रिकॉर्डतोड़ बारिश ने कई स्थानों पर बड़े भूस्खलनों को जन्म दिया, जिससे सैकड़ों घर और सड़कें बर्बाद हो गईं। केरल और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में भी भारी वर्षा के बाद भूस्खलन आम हो गया है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में सतही तापमान में वृद्धि से बर्फ तेजी से पिघल रही है और उसकी वजह से नीचे की चट्टानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इसके साथ-साथ मानवीय गतिविधियां जैसे अवैज्ञानिक निर्माण, पेड़ों की कटाई और अवैध खनन भी इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 300 से अधिक भूस्खलन दर्ज किए जाते हैं। इनमें से कई जानलेवा साबित होते हैं और आर्थिक दृष्टि से भी नुकसान पहुंचाते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय मौसम विभाग ने भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली की दिशा में कार्य प्रारंभ किया है, लेकिन इनका विस्तार सीमित क्षेत्रों तक ही है। भारत में विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में भारी मानसूनी वर्षा और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण भूस्खलन आम बात हो गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में अंधाधुंध निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, वनों की कटाई और बढ़ती आबादी के कारण ढलानों की स्थिरता लगातार कमजोर हो रही है। 2023 में केवल हिमाचल प्रदेश में 80 से अधिक बड़े भूस्खलन दर्ज किए गए, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ। भारत में जलवायु परिवर्तन मानसून के स्वरूप को असामान्य बना रहा है, जिससे कम समय में तीव्र वर्षा होती है और पहाड़ों की मिट्टी खिसकने लगती है।

भारत और अमेरिका, दोनों देशों में भूस्खलनों के पीछे जलवायु परिवर्तन ही एक प्रमुख कारण है, लेकिन उससे निपटने की क्षमता में स्पष्ट अंतर है। अमेरिका के पास आधुनिक उपग्रह तकनीक, मौसम पूर्वानुमान प्रणालियां और आपदा प्रबंधन संस्थान जैसे फेमा हैं, जो चेतावनी और राहत कार्यों को कुशलता से अंजाम देते हैं। भारत में राज्य आपदा प्राधिकरण सक्रिय तो हैं, लेकिन संसाधनों की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित पहुंच और प्रशासनिक ढिलाई के चलते समय पर चेतावनी और राहत देना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जहां अमेरिका में जलवायु परिवर्तन पर राजनीतिक बहस और विरोध भी देखने को मिलता है, वहीं भारत में समस्या को समझने और नीतियों में प्रभावी क्रियान्वयन की गंभीर कमी है। भारत को तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को प्रशिक्षित करना होगा और पर्यावरणीय नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करना होगा।

दोनों देशों का अनुभव यह बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब एक धीमा संकट नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रत्यक्ष और विनाशकारी रूप में सामने आ रहा है। वैश्विक स्तर पर सहयोग, अनुभवों का आदान-प्रदान और संयुक्त प्रयास ही इस संकट से निपटने का एकमात्र विकल्प है। भारत और अमेरिका यदि अपने अनुभवों को साझा करें और मिलकर रणनीति बनाएं, तो भूस्खलन जैसी आपदाओं के साथ जलवायु परिवर्तन की व्यापक चुनौती से भी बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। भूस्खलन अब केवल एक भौगोलिक समस्या नहीं, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन की जीवंत अभिव्यक्ति बन चुका है। भारत और अमेरिका की तुलनात्मक स्थिति यह दर्शाती है कि विकास, प्रौद्योगिकी और नीति क्रियान्वयन की गुणवत्ता इस संकट से निपटने में कितनी अहम भूमिका निभाते हैं।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन चुका है, जो मानव जीवन, जैव विविधता और आर्थिक संरचनाओं को गहराई से प्रभावित कर रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। इसमें भारत तथा अमेरिका की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत एक विकासशील देश है, जहां तीव्र आर्थिक प्रगति, बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की बड़ी चुनौतियां हैं। दूसरी ओर अमेरिका तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से संपन्न देश है, लेकिन वह दुनिया खासकर भारत के साथ मिलकर काम करे तो यह साझेदारी वैश्विक जलवायु प्रयासों को एक नई दिशा दे सकती है। इस बारे में दोनों देशों को मिलकर सोचना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

धारावाहिक 'गऊ गुणों की खान' के शीर्षक गीत की धुन को अंतिम रूप देते हुए गायक – संगीत निर्देशक सतीश देहरा। साथ हैं गीत के लेखक व धारावाहिक के लेखक – निर्देशक शंभु सोनी व सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार सुधाकर शर्मा।

## गोमाता पर एक और धारावाहिक

# 'गऊ गुणों की खान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। करीब 15 साल पहले गोमाता नाम से एक धारावाहिक आस्था चैनल पर 26 एपिसोड के साथ प्रसारित हुआ था जिसके लेखक निर्माता निर्देशक मुंबई के शंभु सोनी थे।अब उन्हीं के लेखन–निर्देशन में एक और धारावाहिक 'गऊ गुणों की खान' संस्कार चैनल के लिए निर्माता रामानुज भट्टड़ बना रहे हैं। भट्टड़ के अनुसार प्रारंभ में 52 एपिसोड की तैयारी है, गोमाता की कृपा हुई तो यह संख्या बढ़ सकती है।

इस धारावाहिक के शीर्षक गीत की धुन को अंतिम रूप दिया गायक व संगीत निर्देशक सतीश देहरा ने। गीत शंभु सोनी ने लिखा है। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार सुधाकर शर्मा भी संयोगवश उपस्थित थे। जब सुधाकर शर्मा ने गीत के शब्द सुने तो बहुत खुश हुए और उन्होंने शंभु सोनी के सिर पर हाथ रखते हुए धारावाहिक के सफल होने का आशीर्वाद दिया। इस पर शंभु सोनी भावुक हो गये और नम नेत्रों से उनके पैर छूकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

गीत का मुखड़ा है– 'दुवा भी देती है,दवा भी देती है। पंच गव्य देती तू महान है। वैतरणी भी तू ही पार कराती। गऊ माता तू गुणों की खान है'।

## धरना

ईपीएफओ पेंशनभोगियों ने सोमवार को नई दिल्ली के जंतर मंतर पर आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए उच्च पेंशन की अपनी मांग के समर्थन में धरना दिया।

# हिरोशिमा पर परमाणु हमले के आठ दशक बाद भी नजदीकी द्वीप पर मृतकों के अवशेष की तलाश जारी

निनोशिमा (जापान)/एपी। जब 80 वर्ष पूर्व छह अगस्त को पहला परमाणु बम विस्फोट हुआ था, तो हजारों मृतकों को आत्मघाती हमले के लिए प्रशिक्षित सैन्य नौकाओं द्वारा हिरोशिमा के दक्षिण में स्थित छोटे से ग्रामीण द्वीप निनोशिमा लाया गया था।

आठ दशक पहले (80 वर्ष पूर्व) छह अगस्त 1945 को हुए परमाणु हमले के बाद अब भी हिरोशिमा के नजदीकी द्वीप पर मृतकों के अवशेष की तलाश जारी है। कई पीड़ितों के कपड़े जल गए थे और उनके चेहरे और अंगों से मांस के लोथड़े लटक रहे थे। वे दर्द से कराह रहे थे।

ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, खराब चिकित्सा और देखभाल के कारण 25 अगस्त को जब फील्ड अस्पताल बंद हुआ तब केवल कुछ सौ लोग ही जीवित बचे थे। मृतकों को अव्यवस्थित और जल्दबाजी में चलाए गए अभियानों के बीच विभिन्न स्थानों पर दफनाया गया। दशकों बाद इस क्षेत्र के लोग लापता लोगों के अवशेषों की तलाश कर रहे हैं ताकि पीड़ितों के प्रति सम्मान व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सके। इसका मकसद उन बचे लोगों को राहत पहुंचाना भी है जो अब भी अपने लापता प्रियजनों को याद में दुखी हैं।

हिरोशिमा विश्वविद्यालय के शोधकर्ता रेबुन कायो मृतकों के अवशेषों की खोज के लिए नियमित रूप से निनोशिमा जाते हैं। उन्होंने कहा, जब तक ऐसा नहीं होता इन लोगों के लिए युद्ध समाप्त नहीं होगा।

लापता लोगों के अवशेष अब भी खोजे जा रहे हैं। हाल ही की एक सुबह, कायो एक पहाड़ी इलाके में स्थित उस जंगल के भूखंड पर पहुंचे, जहां वह 2018 से अवशेषों की तलाश में खुदाई कर रहे हैं।

# 'परीक्षा पे चर्चा' एक महीने में सर्वाधिक पंजीकरण के लिए 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' पहल ''एक महीने में नागरिक सहभागिता मंच पर सबसे अधिक लोगों के पंजीकरण'' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुई है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कार्यक्रम के आठवें संस्करण के दौरान 3.53 करोड़ वैध पंजीकरण प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' पहल के तहत छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधे संवाद करते हैं, जिसका उद्देश्य परीक्षा की अवधि को ''सकारात्मकता, तैयारी और उद्देश्यपूर्ण सीखने के उत्सव'' में बदलना है, जिससे परीक्षाएं तनाव के बजाय प्रोत्साहन का समय बन जाएं। 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' का प्रमाणपत्र औपचारिक रूप से दिए जाने के कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''परीक्षा पे चर्चा को तनाव को सीखने के उत्सव में बदलकर परीक्षाओं के प्रति राष्ट्रीय दृष्टिकोण के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है। इस कार्यक्रम के आठवें संस्करण ने 2025 में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुल 21 करोड़ से अधिक दर्शकों की संख्या दर्ज की।'' उन्होंने कहा, ''परीक्षा पे चर्चा 2025 में भारी भागीदारी को समग्र और समावेशी शिक्षा के प्रति देश की सामूहिक प्रतिबद्धता और विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाता है।''

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'परीक्षा पे चर्चा' को एक अनूठी पहल बताया जो छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को कल्याण और तनाव मुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाती है।

'परीक्षा पे चर्चा' एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें प्रधानमंत्री बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, वह परीक्षा के तनाव और अन्य मुद्दों से संबंधित छात्रों के प्रश्नों के उत्तर भी देते हैं। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम का पहला संस्करण फरवरी 2018 में तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। इसका सातवां संस्करण प्रगति मैदान के भारत मंडपम में 'टाउन हॉल' प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें देश–विदेश से प्रतिभागियों ने भाग लिया। आठवां संस्करण एक अलग प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें आध्यात्मिक नेता सद्गुरु, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम जैसी प्रसिद्ध हस्तियां शामिल हुईं।

# पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन रिश्ते में सच्चाई जरूरी: स्वरा भास्कर

मुंबई/एजेन्सी

ऐसे समय में जब मशहूर हस्तियों के ब्रेकअप और तलाक की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने दावा किया है कि वह अपने पति फहद अहमद से कभी अलग नहीं होना चाहेंगी। स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद ने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर बात की। जब स्वरा से पूछा गया, आप दोनों का आपस में झगड़ा हो जाए, तो आप एक दूसरे को छोड़ेंगे या माफ कर देंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वरा ने कहा, रिश्ते में लड़ाई होना आम बात है, लेकिन उसका मतलब अलग होना नहीं होता। वहीं, फहाद ने कहा, नहीं–नहीं, हमारे रिश्ते में 'छोड़ने' जैसा कुछ है ही नहीं। हमसे गलतियां होती हैं, तो हम एक–दूसरे से माफी मांग लेते हैं। हम दोनों ने कभी भी एक–दूसरे को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है।

अभिनेत्री ने कहा, कभी–कभी हम गुस्से में एक–दूसरे को ऐसी बातें कह देते हैं जिससे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन हमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जो इतना बुरा हो कि हमें एक–दूसरे को छोड़ने के बारे में सोचना पड़े। स्वरा भास्कर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कुछ कमी है। रिश्ते में भरोसा बहुत जरूरी है। हम एक–दूसरे से कहते तो हैं कि हमें थोड़ी सी 'स्पेस' चाहिए, लेकिन सच में हम एक–दूसरे को स्पेस देते नहीं हैं। इन दिनों स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं।

इस शो में कई फेमस जोड़ियां भी हैं जो अपने जीवन के खट्टे मीठे पलों को साझा कर रही हैं। शो की शुरुआत 2 अगस्त से हो चुकी है और इसे कलर्स टीवी पर प्रसारित किया गया। शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें आपको ड्रामा, फन, और रिश्तों के बीच की मजेदार झलक देखने को मिलेगी। इसमें कई मशहूर जोड़ियां शामिल हैं, जिनमें गुरमीत चौधरी–देबिना बनर्जी, रुबीना दिलैक–अभिनव शुक्ला, अविका गौर–मिलिंद चंदवानी, सुदेश लहरी–ममता लहरी, गीता फोगाट–पवन कुमार, और हिना खान–रॉकी जायसवाल हैं।

## बातचीत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से बातचीत करते हुए।

# मृणाल ठाकुर ने दर्शकों संग देखी 'सन ऑफ सरदार 2'

मुंबई/एजेन्सी

मृणाल ठाकुर इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को मिली सफलता का लुत्फ उठा रही हैं। फिल्म को देखते वक्त दर्शक किस तरह महसूस करते हैं और सीन पर उनकी कैसी प्रतिक्रिया होती है, यह देखने के लिए वह खुद थिएटर पहुंची। इस पल का वीडियो मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें वह पूरी तरह से फिल्म को एन्जॉय करती नजर आ रही हैं। मृणाल कभी कॉमेडी सीन पर हंसती दिखती हैं, तो कभी 'पहला तू, दूजा तू' गाने पर सीट पर बैठे–बैठे हुक स्टेप करती नजर आती हैं। वीडियो के आखिर में वह थिएटर में मौजूद दर्शकों से फिल्म का रिव्यू भी पूछती हैं और सभी से उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। इस वीडियो के साथ मृणाल ने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म 'सीता रामम' के बाद से उन्होंने एक छोटा–सा नियम बनाया कि वह हर नई फिल्म को थिएटर में जाकर दर्शकों के साथ देखेंगी, ताकि मेहनत का फल दर्शकों की हंसी, तालियों और उत्साह के रूप में महसूस कर सकें।

मृणाल ने कैप्शन में लिखा, ''फिल्म 'सीता रामम' के समय से मैंने एक आदत बना ली है कि जब भी मेरी कोई नई फिल्म रिलीज होती है, तो मैं थिएटर में जाकर दर्शकों के साथ वह फिल्म देखती हूं। क्योंकि असली मजा तब आता है जब आप अपने लिए हंसी, तालियां और प्यार थिएटर में गूंजते हुए देखें। हमारे लिए सबसे बड़ा इनाम यही है कि आपकी एनर्जी हमें वहां महसूस हो। अगर आपने अभी तक 'सन ऑफ सरदार 2' नहीं देखी है, तो जरूर थिएटर में जाकर देखिए। उम्मीद है कि फिल्म देखकर आपके चेहरे पर मुस्कान आएगी, आप हंसेंगे, और आपका दिल थोड़ा और खुश हो जाएगा।'' बता दें कि 'सन ऑफ सरदार 2' साल 2012 की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है। फिल्म में मृणाल ठाकुर के अलावा, अजय देवगन, रवि किशन, संजय मिश्रा, चंकी पांडे, नीरू बाजवा, कुब्रा सैत, रोशनी वालिया, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, शरद सक्सेना, अश्विनी कलसेकर, साहिल मेहता और दिवंगत मुकुल देव भी हैं।यह फिल्म 1 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज हुई।

## मुलाकात

जम्मू बार एसोसिएशन के सदस्यों ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे।

# सूरत का एक बंगला दो परिवारों के बीच चार पीढ़ियों से चली आ रही स्थायी दोस्ती का प्रतीक

सूरत/भाषा

गुजरात के सूरत शहर में स्थित 'मैत्री' नाम का बंगला दो परिवारों के बीच 80 साल से भी अधिक पुरानी दोस्ती का प्रतीक है। यह दोस्ती आजादी से पहले शुरू हुई थी और इसने तब से दोनों परिवारों की चार पीढ़ियों को जोड़े रखा है। गुणवंत देसाई और बिपिन देसाई के बीच 1940 के दशक में स्कूल के दिनों में पनपा दोस्ती का रिश्ता समय की कसौटी पर खरा उतरा है। गुणवंत के बेटे परिमल (63) ने बताया, मेरे पिता गुणवंत देसाई और उनके मित्र बिपिन देसाई 1940 के दशक में सूरत के सागरमपुरा क्षेत्र में रहते थे। उन्होंने बताया कि दोनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से प्रेरित होकर आजादी के आंदोलन में हिस्सा लिया और साथ में जेल भी गए।

परिमल के मुताबिक, पुणे के एक कृषि विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद गुणवंत और बिपिन सूरत लौट आए तथा साथ में कृषि एवं डेयरी उत्पादों का कारोबार शुरू किया। उन्होंने बताया, गुणवंत और बिपिन ने चाणक्यपुरी इलाके में एक कच्चे मकान में रहते हुए अपना संयुक्त उपक्रम शुरू किया। अलग होने या किसी और व्यापारिक साझेदार को लाने का विचार उनके मन में कभी नहीं आया।

परिमल के अनुसार, जब दोनों का परिवार बढ़ने लगा, तब उन्होंने साथ मिलकर एक बड़े घर में रहने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 1970 में दोनों ने यह डुप्लेक्स बंगला बनाया, जिसमें अलग–अलग रसोई और शयनकक्ष थे, लेकिन एक साझा ड्राइंग रूम था, जहां दोनों परिवारों के सदस्य एकत्र हो सकते थे, सुकून के पल बिता सकते थे और एक साथ जीवन का आनंद ले सकते थे। बिपिन के बेटे गौतम देसाई (70) ने कहा, हमारे पिताओं के बीच रिश्ता इतना मजबूत था कि लोग अक्सर उन्हें भाई समझ लेते थे।

# टीवी ने कैरियर को दी नयी जिंदगी : सोनाली बेंद्रे

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का कहना है कि जब उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा था, तब कई लोगों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए थे लेकिन अब वह इसे अपने करियर का सबसे अच्छा निर्णय मानती हैं। वह कहती हैं कि इस कदम ने न केवल उनके करियर को नयी दिशा दी, बल्कि उन्हें बेहतरीन पारिश्रमिक भी मिला। सोनाली ने 'क्या मस्ती क्या धूम...!' से टेलीविजन की दुनिया में शिरकत की थी। सोनाली ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में बताया, हर कोई सोचता था कि मैं दिशा भटक गई हूं क्योंकि उस समय टीवी के लिए काम करना सही नहीं माना जाता था लेकिन शो की अवधारणा मुझे पसंद आई और पारिश्रमिक भी शानदार था। उन्होंने बताया कि उनके जीवनसाथी गोल्डी बहल ने इस फैसले में उनका पूरा साथ दिया।

सोनाली ने कहा, गोल्डी ने कहा था, 'यह भविष्य है, टेलीविजन बड़ा होने वाला है।' मैंने उनकी बात मानी और शो कर लिया। यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। उन्होंने इसके बाद 'इंडियन आइडल 4', 'इंडियाज गॉट टैलेंट', 'हिंदुस्तान के हुनरबाज़', 'इंडियाज बेस्ट ड्रामेबाज़' और 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' जैसे कई रियलिटी शोज को जज किया। वर्तमान में वह 'पति, पत्नी और पंगा' में होस्ट की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि टेलीविजन की बदौलत ही वह दर्शकों के बीच प्रासंगिक बनी रहीं। उन्होंने कहा, पहले शो देखने वाले बच्चे जो देखते थे, वे अब बड़े हो चुके हैं लेकिन आज भी मुझे याद रखते हैं। एक सेलेब्रिटी का जीवन तभी तक होता है, जब तक उसे उसके प्रशंसक याद रखते हैं।

# जब धनुष ने झूठ बोलकर साइन करवाई फिल्म, सच सामने आने पर टूट गईं काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी–मानी अभिनेत्री काजोल अपनी शानदार अदाकारी और दमदार अभिनय के लिए हमेशा से फैंस के दिलों में खास जगह रखती हैं। सादगी और काम के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम दिलाया है। हर रोल में जान डालने वाली काजोल की मेहनत और ईमानदारी को हर कोई सलाम करता है। लेकिन उनकी जिंदगी और करियर के कुछ ऐसे पल भी रहे हैं, जिन्होंने सभी को चौंका दिए हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा है, जो साउथ सुपरस्टार धनुष से जुड़ा हुआ है। इस किस्से में धनुष ने काजोल से झूठ बोलकर फिल्म साइन करवाई थी, लेकिन जब बाद में उनका झूठ पकड़ा गया तो एक्ट्रेस का दिल टूट गया था। 5 अगस्त 1974 को मुंबई में जन्मीं काजोल एक फिल्मी परिवार से आती हैं। वह अभिनेत्री तनुजा समर्थ और दिवंगत फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी की बेटी हैं। बचपन से ही काजोल को अभिनय का शौक था और वे फिल्मों में काम करना चाहती थीं। उन्होंने अपना करियर 1992 में फिल्म 'बेखुदी' से शुरू किया था, लेकिन इस फिल्म से उन्हें खास सफलता नहीं मिली। असली पहचान उन्हें 1993 में आई फिल्म 'बाजीगर' से मिली, जिसमें उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया।

'बाजीगर' के बाद काजोल ने लगातार कई सफल फिल्में कीं, जैसे 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'गुप्त', 'प्यार तो होना ही था', और 'कभी खुशी कभी गम'। उनके अभिनय को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा। 1990 के दशक में वह हिंदी सिनेमा की टॉप अभिनेत्रियों में से एक बन गईं थीं। उस समय कई सारी अभिनेत्रियां ग्लैमर पर ज्यादा ध्यान देती थीं, लेकिन काजोल ने अपनी मेहनत, काबिलियत और असली अभिनय के दम पर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अलग–अलग तरह के किरदार निभाए और अपनी खासियत दिखाई। काजोल ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दीं, जिनमें 'दिल क्या करे', 'हम आपके दिल में रहते हैं', 'होते–होते प्यार हो गया', 'फना', 'यू मी और हम', 'माई नेम इज खान', 'वी आर फैमिली', 'दिलवाले' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी कदम रखा। उन्होंने धनुष के साथ 'वेलाईयिल्ला पत्तथरी 2' की। इस फिल्म को हिंदी में 'वीआईपी 2' के नाम से जाना जाता है। यह फिल्म 2017 की भारतीय तमिल भाषा की एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन सौंदर्या रजनीकांत ने किया है। फिल्म धनुष द्वारा लिखी और सह–निर्मित है। यह 2014 की फिल्म 'वेलाईयिल्ला पत्तथरी' का सीक्वल है और इसमें धनुष, अमला पॉल, विवेक, हृषिकेश, सरन्या पोनवन्नन और समुथिरकानी ने अपनी भूमिकाएं दोहराई, जबकि काजोल को खलनायिका का किरदार मिला।

इस फिल्म को लेकर एक इंटरव्यू में काजोल ने खुलासा किया था कि धनुष ने उनसे झूठ बोलकर फिल्म को साइन करवाया था। काजोल ने बताया कि जब धनुष और सौंदर्या रजनीकांत उनके पास तमिल फिल्म का ऑफर लेकर आए तो उन्होंने कहा था कि फिल्म में उन्हें तमिल नहीं बोलनी पड़ेगी, लेकिन जब वह फिल्म सेट पर पहुंची तो हुआ कुछ उल्टा ही। उन्होंने कहा, अभिनेता धनुष और निर्देशक सौंदर्या मेरे पास 'वेलाईयिल्ला पत्तथरी 2' की कहानी लेकर आए और मुझे कहा कि तमिल नहीं बोलनी होगी। मुझे झूठ बोला और मैं मान गई, लेकिन जब सेट पर पहुंची तो तमिल में डायलॉग पढ़ने के लिए पन्ने दे दिए, मुझे कहा, कोशिश करो। किसी और भाषा में रोल निभाना कोई आसान बात नहीं। मुझे होमवर्क मिलता था और रोज असिस्टेंट डायरेक्टर के साथ दो घंटे बिताने होते थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 05-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि कर्मवाद के सिद्धांत के अनुसार सुख और दुःख किसी के दिए हुए नहीं हैं। वे हमारे ही द्वारा उपार्जित हैं।

## श्रावण मास में शिवपुराण कथा व झूलोत्सव का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के नेलमंगला एलचागिरि स्थित सर्वदेव साधना मन्दिर में श्रावण मास के अवसर पर गुरुजी रमाशंकर तिवारी के सान्निध्य में पंडित घनश्यामदास शास्त्री के मुखारबिंद से शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया गया है। रविवार को मंदिर परिसर में राधा रानी, माता पार्वती, आदि शक्ति जीण माता का झूलोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर जीण धाम के पुजारी आनन्द पाराशर क द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। सर्वदेव साधना मंदिर में राम दरबार, द्वादश ज्योतिर्लिंग, जीण माता और बांके बिहारी के मंदिरों की विशेष सजावट की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

## दान में भाव का मिलना ही धर्म है : साध्वी मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने कहा कि दान तीन प्रकार से दिया जाता है, आनंद से, मजबूरी से और शर्म से। जिस हिसाब से दान दिया जाता है उसी हिसाब से उसका फल मिलता है। आनंद से भावपूर्वक दिया गया दान धर्म कहलाता है। दान देना क्रिया है उसमें भाव का मिलना धर्म है। अनिच्छा से दिया गया दान मजबूरी वाला दान है और चार व्यक्ति के सामने उनके कहने से बिना इच्छा से दिया गया दान शर्म से दिया गया दान कहलाता है। व्यक्ति धर्म के क्षेत्र में दान कसकस के देता है, जबकि संसार के क्षेत्र में हंस हंस के दान करता है। देव , गुरु, ज्योतिषी और राजा के पास कभी भी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। कोई भी व्यक्ति हर एक क्षेत्र में दान देगा तो ही लोकप्रिय बन सकता है। शांतसुधारस ग्रंथ के अंतर्गत एकत्व भावना के बारे में बताया बताते हुए कहा कि जीव अकेला आया है अकेला ही जाता है, सिर्फ पुण्य और पाप अपने साथ लेकर जाता है। भावना भवरोग को मिटाती है, बिना भाव से किया गया दान कभी फलीभूत नहीं होता है।

## पाप से बचो, पुण्य कभी भी करवट बदलेगा : आचार्य विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि कर्मवाद के सिद्धांत के अनुसार सुख और दुःख किसी के दिए हुए नहीं हैं। वे हमारे ही द्वारा उपार्जित हैं। अतः दुःख के समय दूसरों को दोष देकर हम नए दुःख बढ़ाते हैं, फायदा कुछ भी नहीं होता। आगमशास्त्रों में महावीरस्वमी कहते हैं कि दुःख देने से दुःख मिलता है और सुख देने से सुख। जो बीज हम बोते हैं, उसी की फसल हम प्राप्त कर सकते हैं। सुख पाने के लिए तो सबको सुख देना जरूरी है। दुःख देकर सुख नहीं मिल सकता, इसलिए जो लोग हिंसा, व्यसन, झूठ, चोरी, फिरौती, अपहरण, बलात्कार, हत्या आदि पाप प्रवृत्तियों में अनुरक्त हैं, वे कोई शाश्वत सुख या सुरक्षा की आशा नहीं कर सकते। वे प्रशासन और कानून से बच सकते हैं, कर्मवाद के सिद्धांत से नहीं बच सकते। देर-सबेर सबका न्याय होना है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीर के विश्वकल्याणकारी सिद्धांतों में कर्मवाद बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें अष्टकर्म की तार्किक और रोचक विवेचना हुई है।

इन आठ कर्मों के रहस्यों को समझकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन की सभी समस्याओं से छुटकारा पा सकता है। कर्मवाद अंतिम समाधान है। सुख को पुण्यकर्म का और दुःख को पापकर्म का प्रतिफल कहा गया है। दोनों ही परिस्थितियां शाश्वत नहीं है। लेकिन पुण्य के संबंध में अत्यंत सावधानी बरतने की आवश्यकता है, क्योंकि उसका भंडार कभी भी खाली हो सकता है। इसलिए पुण्य पर गर्व करना निपट अज्ञानता है। पुण्य के उदयकाल में सुख-सुविधाओं और सफलताओं के बीच मनुष्य अक्सर अपना विवेक भूल जाता है। वह उछलने लगता है। पुण्य के प्रभाव में हर कोई अपनी वास्तविक हैसियत भूल जाता है। उस काल में ही मनुष्य के पापमार्ग पर आगे बढ़ने की तीव्रतम संभावनाएं रहती हैं। जो पुण्यकाल को पाप प्रवृत्तियों में खर्च कर देते हैं, वे अपना भारी नुकसान करते हैं।

एक न एक दिन पुण्य अस्त होता है और वे कंगाल बन जाते हैं। यह जीवन के स्वर्णिम काल को मिट्टी में बरबाद करने की तरह है। अध्यक्ष पंकज बाफना में बताया कि संघ के तत्वावधान में करीब तीन सौ पचास साधक आठ उपवास से तीस उपवास तक की तप साधना कर रहे हैं। सचिव हरीश गादिया ने बताया कि उत्तर कर्नाटक से प्रतिदिन सैकड़ों लोग वर्षावास के कार्यक्रमों से लाभांवित होने गदग आ रहे हैं।

## सोशियल मीडिया 'एक भ्रमजाल', नुक्कड़ नाटक की हुई प्रस्तुति

### बड़ी संख्या में लोगों ने सराहा इस नुक्कड़ नाटक को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी और साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा और मार्गदर्शन में सोशियल मीडिया के जाल में भ्रमित होती आज की युवा पीढ़ी को समझाने हेतु 'सोशियल मीडिया - एक भ्रमजाल' नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जैन मन्दिर के तत्वावधान में सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के अन्तर्गत प्रथम बार युवा पीढ़ी के लिए यह नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। इसमें अनेक किशोर, लडकों और लड़कियों ने जीवंत दृश्यों के माध्यम से सोशल मीडिया की उलझनों और उसके दुष्परिणामों के बारे में बताया।

मलयप्रभ सागरजी ने कहा कि युवा पीढ़ी का बहुत ही कीमती समय रील्स बनाने और उसे देखने में व्यतीत हो रहा है। हमें सोशल मीडिया से धर्म की प्रचार सामग्री और हमारे काम आने वाले महत्वपूर्ण जानकारियां तो लेनी चाहिए, लेकिन व्यर्थ में इसके पीछे पूरे दिन समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। सोशल मीडिया के कई दुष्प्रभाव हैं, जिनमें लत, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, गलत सूचना का प्रसार, और गोपनीयता का खतरा, सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से चिंता, अवसाद, और अकेलेपन की भावना बढ़ सकती है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों से अपनी तुलना करने से आत्म-सम्मान में कमी आ सकती है। इसके अधिक उपयोग से नींद की समस्या, आंखों में थकान, और शारीरिक गतिविधि में कमी हो सकती है। सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से वास्तविक दुनिया में लोगों से कम मिलना - जुलना हो सकता है, जिससे सामाजिक संबंध कमजोर हो सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हमारी निजी जानकारी साझा करने से गोपनीयता का खतरा बढ़ जाता है और इसका उपयोग गलत कामों के लिए भी किया जा सकता है। नुक्कड़ नाटक की पटकथा और कार्यक्रम में तनिष्क सांखला, स्वाति गुलेच्छा आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

## भोजपुरी समाज सेवा समिति की बैठक में हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भोजपुरी समाज सेवा समिति की इंदिरानगर स्थित कार्यालय में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया। समारोह के लिए रामपति देवी के अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया जिसमें सुनीता साव को उपाध्यक्ष, जयप्रकाश सिंह को प्रबंधक, रिपुमर्दन कुमार एवं यदुनंदन यादव को सह प्रबंधक बनाया गया। महासचिव ललितेश्वर प्रसाद सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

समिति के चेयरमैन संजय सिंह उज्जैन ने समिति की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर केन्द्रीय सिल्क बोर्ड के संयुक्त निदेशक (वित्त) धीरज कुमार का सम्मान किया गया। इस मौके पर समिति के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

## जीवन कल्याण के लिए सामायिक अति आवश्यक : साध्वी मलयाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी मलयाश्री ने कहा कि श्रमण भगवान महावीर ने आचारांग सूत्र में तीन प्रकार साधकों का वर्णन किया है। प्रथम प्रकार के वे साधक है, आगे से आगे बढ़ते जाते है और वे लक्ष्य को हासिल कर लेते है। दूसरे प्रकार के वे साधक है, जो आगे के लिए कदम तो बढ़ा लेते है, किंतु समय के साथ वे पीछे हर भी जाते है और तीसरे प्रकार के वे साधक है, जो न आगे बढ़ते है और न ही पीछे मुड़ते है, बल्कि जहां है, वहीं होते है। साध्वी दिव्ययशाजी ने जैनधर्म की 48 मिनट की आत्मिक आराधना पद्धति है सामायिक। व्यवहार, वर्त्तन जब विकृत बन जाता है, तब सामायिक की साधना अनिवार्य होती है। महापुरुषों की हर सांस, सामायिक के साधना में ही बीतती है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि साध्वीश्री कंचनकंवरजी के 65 वें जन्मोत्सव पर दो-दो सामायिक का आयोजन रखा गया जिसमें शांतिलाल खिंवेसरा, ताराचन्द गुगलिया, लादुलाल ओस्तवाल, पीरचन्द ओस्तवाल आदि उपस्थित थे।

## सत्संग से जीवन में मिलती है सफलता : संत वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में ज्ञानी महापुरुषों की सत्संग करने से व्यक्ति जीवन में सफलता के नए शिखर पर पहुंच जाता है।उन्होंने कहा कि जैसा संग वैसा रंग, अर्थात मनुष्य जिसके साथ रहता है, जिस वातावरण में काम करता है वह इंसान वैसा ही बन जाता है। दोष और गुण, बुरे या अच्छे संसर्ग संगत से प्राप्त होते हैं। नीच पुरुषों के साथ समागम करने से बुद्धि की हानि होती है। समान विचार वाले, आचार वाले के साथ रहने से समानता आती हैं और विशिष्ट व्यक्तियों के साथ रहने से विशेषता प्राप्त होती है। उन्होंने आगे कहा कि साधु सज्जन पुरुषों का समागम, परिचय, संगति ही मनुष्य के जीवन का उत्तम निर्माण करती है।

बबूल की छाया में कांटे मिलते है और नीम की छाया में शुद्ध वायु मिलती है। ज्ञानी, सद्गुरु के सत्संग समागम से आत्मा यहां पर यश प्राप्त करती है और परलोक में भी शुभ गति मिलती है। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

## गांधीनगर में आयोजित बाल संस्कार संवर्धन शिविर में 360 बच्चों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी की निश्रा में ज्ञानशाला ज्ञानार्थी बच्चों का संस्कार संवर्धन शिविर का आयोजन किया जिसमें 13 ज्ञानशालाओं से 360 बच्चों ने सहभागिता दर्ज करवाई। मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि जैसे गाड़ी को सुव्यवस्थित चलने में ब्रेक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है वैसे ही व्यक्ति के जीवन में धार्मिक संस्कार रुपी ब्रेक से दुखद दुर्घटना से बचा जा सकता है अतः अच्छे संस्कारों का संवर्धन करना वर्तमान समय में अत्यंत जरूरी है। धर्म ही व्यक्ति को कठिन मार्ग से निकालने का कार्य करता है तथा आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करवाता है। मुनिश्री ने ज्ञानार्थी बच्चों को आगामी पयुर्षण महापर्व के दौरान द्रव्यसीमा की नवरंगी, सामायिक की नवरंगी तथा उपवास का तेला करने की सलाह दी। आदित्य मुनि ने शिविर में उपस्थित सभी को ध्यान का प्रयोग करवाया।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। ज्ञानशाला के आंचलिक संयोजक माणकचंद जैन ने अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री विनोद छाजेड़ ने इस वर्ष बेंगलूरु ज्ञानशाला को मिले विशेष पुरस्कार के अंतर्गत श्रेष्ठ ज्ञानार्थी अक्षत छाजेड़, श्रेष्ठ ज्ञानशाला कामाक्षी पाल्या, श्रेष्ठ प्रशिक्षिका मंजू दक तथा वरिष्ठ प्रशिक्षिका सरस्वती बाफना के नामों की घोषणा की। इस मौके विभिन्न ज्ञानशालाओं ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त कर्ता बच्चों तथा जज कांता लोढ़ा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बबीता चोपड़ा एवं नीतागादिया ने किया। शिविर में बच्चों, प्रशिक्षिकाओं सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, मंत्री विजेता रायसोनी, महासभा के प्रकाश लोढ़ा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पारितोषिक वितरित किए।

## समय रहते हुए आत्मकल्याण के कार्य कर लेना चाहिए : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें जिसमें सुख की अनूभूति होती है उस कार्य को करने में हम समय नहीं देखते है लेकिन हम हमारे

आत्मकल्याण के कार्यो को करने में प्रायः समय देखते है। आचार्यश्री ने कहा कि हमारा जीवन भी घड़ी के तीन कांटों के समान है, सेकेंड का कांटा हमारा बचपन है जो तीव्र गति से चला जाता है, मिनट का कांटा हमारी युवावस्था है जो सेकेंड के कांटे से थोड़ा धीरे चलता है और भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति में पूर्ण हो जाता है और घण्टे का कांटा हमारी वृद्धावस्था है जो धीरे धीरे चलता है और कब रुक जाए ये हमें मालूम ही नहीं चलता। हम बचपन नादानी, नासमझ में गंवा देते है जवानी भौतिक सुखों में मशगूल रहकर गंवा देते है और वृद्धावस्था में हम शरीर की आसक्ति की वजह से कोई भी धार्मिक क्रिया ओर कार्य नहीं कर सकते वो भी चला जाता है, इसलिए हमें अपना ज्यादा से ज्यादा समय आत्मकल्याण करने में लगाना चाहिए। जिस तरह खोई हुई दौलत फिर कमाई जा सकती है, भूली हुई विद्या फिर याद की जा सकती है, खोया हुआ स्वास्थ्य चिकित्सा द्वारा लौटाया जा सकता है, पर खोया हुआ समय किसी प्रकार नही लौट सकता। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

## तप में मान की भावना नहीं आनी चाहिए : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि यह जगत एक धर्मशाला के समान है। यहां के सारे रिश्ते, नाते मात्र स्वार्थ पर टिके होते हैं। संसार में रहते हुए परिवार की व्यवस्था करना अपना कर्तव्य हो सकता है। किंतु ऐसा करते हुए भी हमें स्वयं को नहीं भूलना है, क्योंकि कर्म सिद्धांत स्पष्ट है कि जो करेगा उसे ही भुगतान करना होगा। हम साम, दाम, दंड और भेद करके और 18 पाप सेवन कर के धन कमाते हैं। परन्तु जब मृत्यु का क्षण आएगा तब हमें बचाने वाला कोई नहीं होगा। हमारी दुर्गति न हो इसलिए हम संसार से निवृत होते हुए आत्मा का ख्याल रखें।

साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि लक्ष्य के प्रति हमारा संकल्प मजबूत होना चाहिए। हमारा पुरुषार्थ और पराक्रम लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। संसार में पसारा नहीं बढ़ाना है। आसक्ति कम करेंगे तभी आत्मा याद आएगी। आत्मा याद आएगी तभी हम शरीर से मोह कम कर तप मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। तप में गुस्सा आना तप का अजीर्ण है। दूसरों को शांत करने के पहले हमें स्वयं को पहले शांति सीखनी चाहिए।

तप से चेहरे पर तेजस्विता बढ़ती है, परंतु हमारी प्रकृति में शांति होगी तो ही सम्यक तप होगा। तप में मान की भावना भी नहीं आनी चाहिए। साधना में मग्न हो जाएंगे तो सारे साधन भी अनुकूल हो जाएंगे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

## पुण्य व पाप पर मनन-चिंतन जरूरी है : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में दो बाते विचारणीय है, इसलिए उन दो बातों पुण्य व पाप पर मनन-चिंतन जरूरी है। पाप लोभ के कारण ही होता है। मनुष्य में जब लोभ का भूत सवार होता है तो वह सब भूल जाता है। खुशी के लिए दुनिया भर का पाप करता है। संसार के सभी लोग अच्छी गति में जाना चाहते हैं। लेकिन पाप के कारण अपने अच्छे भव को खराब कर लेते हैं। पाप कोई और करता है लेकिन मजा कोई और लेता है। पाप का उदय होता है तो पाप करने वाले को ही इसका भुगतान करना पड़ता है। मजा लेने तो सब आते हैं लेकिन आपके पाप का भागीदारी कोई नहीं बनता है। संतश्री ने कहा कि सब जीभ का सवाल है। अपने स्वाद के लिए मनुष्य विचलित होता जा रहा है।

मनुष्य को अपनी नजरों में पवित्रता रखनी चाहिए। मनुष्य अपने नजरों से ही सही और गलत कहलाता है। जैसी मनुष्य की दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। गलत देखने वालों को हर जगह गलत ही नजर आता है। लेकिन अच्छी नजर वाले गलत में भी सही देख लेते हैं। अच्छी गति प्राप्त करना है तो पाप कमाने से बचे। जब तक मनुष्य पैसे वाले दृष्टिकोण को नहीं बदलेगा तब तक कर्मों की निर्जरा नहीं होगी। इसलिए समय रहते ऐसे मार्गों पर जाने से बच कर अपने जीवन का उद्धार कर लेना चाहिए। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष प्रकाश चंद कोठारी ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

## अणुव्रत समिति विजयनगर की नई कमेटी ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा व राजेश चावत ने स्थानीय अणुव्रत समिति विजयनगर में महेंद्र टेबा को अध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई। महेंद्र टेबा ने अपने टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया व पारस दक, मंत्री अरिहंत कावड़िया, सहमंत्री संजय भटेवरा व श्रीनिवास, संगठन मंत्री सम्पत चावत, कोषाध्यक्ष आलोक गांग, प्रसार प्रसार में चंद्रशेखर को शपथ दिलवाई। नई टीम

ने साध्वीश्री संयमलताजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। मंत्री अरिहंत कावड़िया ने धन्यवाद दिया। संचालन सुमित्रा बरड़िया ने किया।

## जिनवाणी के प्रखर प्रचारक थे लोकमान्य संत रूपमुनि : साध्वी आगमश्रीजी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन स्थानकवासी श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी की निश्रा में लोकमान्य संत रूपमुनिजी की जयंती भक्ति भाव से मनाई गई। साध्वीश्री ने कहा कि प्रवर्तक रूपमुनिजी का जीवन संयम, सेवा और समर्पण का प्रतीक था। वे जिनवाणी के प्रखर प्रचारक थे। उन्होंने जैन धर्म की मूल शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने युवाओं और समाज को नैतिकता और आध्यात्मिकता की ओर उन्मुख किया। एक सच्चा संत

वही होता है, जो न केवल आत्मकल्याण की साधना करे, बल्कि समाज के कल्याण के लिए भी जीवन समर्पित कर दे। वाणी में सत्यता, हृदय में करुणा और आचरण में अहिंसा यही सच्चे धर्म के मूल तत्व हैं। साध्वी धैर्याश्रीजी ने गीतिका प्रस्तुत करते हुए कहा कि रूपमुनि की शिक्षाएँ आज भी हमारे लिए दीपस्तंभ के समान हैं, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती हैं। उन्होंने आत्मचिंतन और संयममय जीवन अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने रूपमुनिजी के गुणों को याद किया। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने धन्यवाद दिया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com